दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक

RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

सीहोर जिले, होशंगाबाद संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-23 अंक-42 सीहोर, रविवार 29 मार्च 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

एआई से बने 'काल्पनिक फैसलों' पर सुप्रीम कोर्ट ने की सख्त टिप्पणी, बोला- यह प्रवृत्ति खतरनाक, वकीलों को सतर्क रहने की जरूरत

नई दिल्ली,(ए)। देश की शीर्ष अदालत सुप्रीम कोर्ट ने अदालतों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के गलत इस्तेमाल को लेकर गंभीर चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा है कि वकीलों और वादियों द्वारा ऐसे 'काल्पनिक' फैसलों का हवाला देना, जो वास्तव में मौजूद ही नहीं हैं, एक खतरनाक प्रवृत्ति बनती जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस राजेश बिंदल और जस्टिस विजय बिश्नोई की पीठ ने कहा कि यह समस्या सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया भर की अदालतों में तेजी से फैल रही है। अदालत ने सभी पक्षकारों को सतर्क रहने की सलाह दी है। यह टिप्पणी उस मामले की सुनवाई के दौरान आई, जिसमें बॉम्बे हाईकोर्ट के एक आदेश पर आपत्ति जताई गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट की एक टिप्पणी को हटाते हुए कहा कि हालांकि राहत दी जा रही है, लेकिन एआई के गलत इस्तेमाल का मुद्दा गंभीर है और पहले से न्यायिक विचाराधीन है।

दरअसल, बॉम्बे हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि एक पक्ष की दलीलें चेटजीपीटी जैसे एआई टूल की मदद से तैयार की गई थीं। इन दलीलों में एक ऐसे फैसले का हवाला दिया गया था, जिसका वास्तविक दुनिया में कोई अस्तित्व ही नहीं था। हाईकोर्ट ने यह भी कहा था कि दलीलों की भाषा, बुलेट प्वॉइंट्स, हरे टिक-मार्क और दोहराव जैसे संकेतों से यह स्पष्ट हो रहा था कि सामग्री एआई से तैयार की गई है। अदालत और उसके विधि सहायकों ने जिस कथित मामले—'ज्योति पत्नी दिनेश तुलसियानी बनाम एलीगेंट एसोसिएट्स'— का जिक्र किया गया था, उसे काफी खोजने के बावजूद नहीं पाया। इससे अदालत का कीमती समय भी बर्बाद हुआ।

राम नवमी जुलूस के दौरान हिंसा के बाद आठ गिरफ्तार, रघुनाथगंज में धारा 144 लागू

बहरामपुर,(ए.)। पश्चिम बंगाल में मुर्शिदाबाद जिले के जंगीपुर में शुक्रवार शाम राम नवमी जुलूस के दौरान हुई हिंसा के मामले में पुलिस ने शनिवार सुबह तक आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। रघुनाथगंज में धारा 144 लागू करने के साथ ही प्रशासन ने प्रभावित इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है।पुलिस के अनुसार, शुक्रवार जंगीपुर और रघुनाथगंज क्षेत्र में राम नवमी के जुलूस के दौरान विवाद के बाद दो पक्षों के बीच झड़प हो गई थी। देखते ही देखते स्थिति हिंसक हो गई और दोनों तरफ से पथराव शुरू हो गया। इस दौरान कई दुकानों और संपत्तियों में तोड़फोड़ की गई और कुछ स्थानों पर आगजनी की घटनाएं भी सामने आईं।जानकारी के मुताबिक, रघुनाथगंज के मैकेंजी पार्क की ओर जा रहे जुलूस के दौरान संगीत बजाने को लेकर सिसातला इलाके में जुलूस में शामिल लोगों और स्थानीय निवासियों के बीच विवाद शुरू हुआ था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल भवन का दौरा किया, जबकि उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरपु, और उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य उत्तर प्रदेश के जेवर में दिखे।

मप्र विधान सभा में तीन राज्यों के युवा विधायकों का दो दिवसीय सम्मेलन सोमवार से

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश विधान सभा में युवा विधायकों का दो दिवसीय सम्मेलन सोमवार, 30 मार्च से विधान सभा के विधान परिषद हाल में आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन में राष्ट्रकुल संसदीय संघ (भारत क्षेत्र 6) के तीन राज्यों मध्य प्रदेश के 18, छत्तीसगढ़ के 15 तथा राजस्थान के 22 युवा विधायक सम्मिलित होंगे।विधान सभा के अवर सचिव नरेंद्र मिश्रा ने शनिवार को बताया कि युवा विधायक सम्मेलन का उद्घाटन सोमवार, 30 मार्च को होगा। उद्घाटन कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, मध्य देश विधान सभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी एवं छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह उपस्थित रहेंगे।उन्होंने बताया कि सम्मेलन के प्रथम दिवस 'लोकतंत्र और नागरिकों की भागीदारी को मजबूत करने के लिए युवा विधायकों की भूमिका' विषय पर मंथन होगा। प्रथम दिवस माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी भी युवा विधायकों को संबोधित करेंगे।

नीतीश कुमार 13 अप्रैल के बाद छोड़ सकते हैं मुख्यमंत्री की कुर्सी, इस दिन देंगे एमएलसी पद से इस्तीफा

पटना (ए)। बिहार में राजनीतिक हलचल तेज होने लगी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 30 अप्रैल को बिहार विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे सकते हैं, जबकि 13 अप्रैल के बाद वे कभी भी मुख्यमंत्री पद छोड़ सकते हैं। मुख्यमंत्री आवास से जुड़े सूत्रों ने यह जानकारी दी।नीतीश कुमार, जो अभी बिहार विधान परिषद के सदस्य हैं, ने 16 मार्च को हुए राज्यसभा चुनाव में पहले ही जीत हासिल की। नियमों के अनुसार, नीतीश कुमार को संसद के लिए चुने जाने के 14 दिनों के भीतर राज्य विधानमंडल से इस्तीफा देना होता है। इस स्थिति में राज्य विधानसभा या विधान परिषद सदस्य न होने की स्थिति में नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद से भी इस्तीफा देना होगा।

नयागढ़ में पर्यटक बस हादसा, 5 की मौत, 30 से अधिक घायल

नयागढ़,(ए.)। ओडिशा के नयागढ़ जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से अधिक यात्री घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब एक निजी टूरिस्ट बस अनियंत्रित होकर पलट गई। मृतकों में बस चालक समेत चार महिलाएं शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान हरि पात्रा, लक्ष्मी पात्रा, सुप्रभा साहू और सुमति साहू के रूप में हुई है। सभी यात्री बरहमपुर के रहने वाले बताए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, यह बस शुक्रवार देर रात करीब 60 यात्रियों को लेकर बरहमपुर से हरिशंकर जा रही थी। रास्ते में

हनुमान घाटी के पास चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद बस एक चट्टान से टकराकर पलट गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कई यात्री बस से बाहर जा गिरे, जबकि 10 से अधिक लोग बस के नीचे फंस गए। हादसे की सूचना मिलते ही दसपल्ला और बनिगोछा पुलिस स्टेशन की टीमें मौके पर पहुंचीं। फायर सर्विस और एंबुलेंस की मदद से राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। गैस कटर की सहायता से बस को काटकर फंसे हुए यात्रियों को बाहर निकाला गया। घायलों को तत्काल दसपल्ला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल करीब 15 लोगों को जिला मुख्यालय अस्पताल रेफर किया गया।

हबल स्पेस टेलीस्कोपः ब्रह्मांड की टाइम मशीन, जो रोशनी के सफर से अरबों वर्ष पुराने ब्रह्मांड की दिखाता है झलक

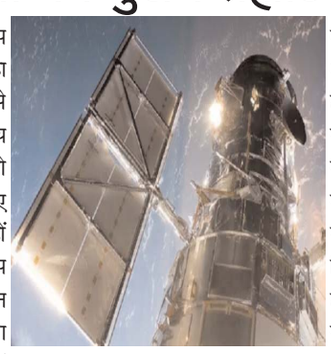

नई दिल्ली (ए.)। हबल स्पेस टेलीस्कोप को अक्सर ब्रह्मांड की एक टाइम मशीन कहा जाता है। यह दूर स्थित ब्रह्मांडीय पिंडों से आने वाली रोशनी को कैद करके हमें समय में पीछे की यात्रा भी कराता है। रोशनी को हबल तक पहुंचने में समय लगता है, इसलिए जो तस्वीरें आज हम देखते हैं, वे उन पिंडों को वर्षों या अरबों वर्ष पहले का रूप दिखाती हैं।खास बात है कि खगोल विज्ञान को ब्रह्मांडीय पुरातत्व विज्ञान भी कहा जा सकता है। रोशनी के माध्यम से हमें उन पिंडों के जीवन और ब्रह्मांड के विकास के रहस्यों का पता चलता है।हबल जैसे टेलीस्कोप हमें यह समझने में मदद करते हैं कि हम ब्रह्मांड में कहां हैं और यह कैसे काम करता है। यह सिर्फ तस्वीरें नहीं लेता, बल्कि समय के किनारे तक हमें ले जाता है। वैज्ञानिक हबल के डेटा का उपयोग करके ब्रह्मांड के इतिहास को जोड़ते हैं और उसके अनसुलझे सवालों के जवाब ढूंढते हैं।हबल स्पेस टेलीस्कोप सिर्फ एक दूरबीन नहीं है। यह एक वेधशाला, एक उपग्रह और वैज्ञानिक-सांस्कृतिक प्रतीक भी है। यह पृथ्वी की निचली कक्षा में करीब 550 किलोमीटर की ऊंचाई पर घूमता है। यहां से एक पूरा चक्कर लगाने में लगभग 95-96 मिनट लगते हैं। पृथ्वी के धुंधले वातावरण से ऊपर होने के कारण हबल ब्रह्मांड के साफ और अद्भुत नजारे कैद कर पाता है।इसके टाइम जर्नी का रहस्य रोशनी में छिपा है। खगोल विज्ञान में 'प्रकाश-वर्ष' एक दूरी की इकाई है। यह वह दूरी है जो रोशनी एक साल में तय करती है। रोशनी की गति लगभग 3 लाख किलोमीटर प्रति सेकंड है। एक प्रकाश-वर्ष में रोशनी करीब 9.5 ट्रिलियन किलोमीटर की दूरी तय कर लेती है।

सीएम ममता पर आयोग की नजर, एसआई को निलंबित कर भाषण की मांगी कॉपी

कोलकाता,(ए)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की तारीखों के नजदीक आते ही राज्य में राजनीतिक सरगर्मियां और चुनावी हिंसा को लेकर तनाव चरम पर पहुंच गया है। भारत निर्वाचन आयोग ने निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाते हुए एक तरफ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विवादित भाषण पर रिपोर्ट तलब की है, वहीं दूसरी तरफ कर्तव्य में लापरवाही बरतने के आरोप में एक पुलिस इंस्पेक्टर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। राज्य में दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को मतदान होना है, जिसके परिणाम 4 मई को घोषित किए जाएंगे।निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के उस भाषण पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है, जो उन्होंने दार्जिलिंग के नक्सलबाड़ी स्थित एक जनसभा के दौरान दिया था। आरोप है कि मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों को कथित तौर पर धमकाया।

मध्य प्रदेश में 29 मार्च से एक्टिव होगा मौसम का नया सिस्टम, 40 जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश का अलर्ट

भोपाल (निप्र)। मध्य प्रदेश में मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। 29 मार्च से प्रदेश में आंधी और बारिश का मजबूत सिस्टम सक्रिय होगा, जिसका असर करीब तीन दिनों तक बना रहेगा। इस दौरान भोपाल, उज्जैन, ग्वालियर और जबलपुर सहित लगभग 40 जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार, इस सिस्टम के दौरान हवा की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। हालांकि 28 मार्च को प्रदेश में गर्मी का असर बना रहेगा। नर्मदापुरम में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है और लू जैसे हालात देखने को मिल रहे हैं। वहीं, शुक्रवार को साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ के असर से ग्वालियर, चंबल, रीवा, सागर और जबलपुर संभाग के कई जिलों में बादल छाए रहे। हालांकि यह सिस्टम आज शनिवार को कमजोर हो जाएगा, जिससे तापमान में बढ़ोतरी होगी। इसके बाद 29 मार्च से नया सिस्टम एक्टिव होगा, जिसका असर 30 और 31 मार्च को सबसे ज्यादा रहेगा।मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि 31 मार्च तक भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल और सागर संभाग के करीब 40 जिलों में बारिश हो सकती है। 29 मार्च को हल्की बूंदाबांदी के आसार हैं, जबकि 30 और 31 मार्च को तेज बारिश होने की संभावना है

नर्मदापुरम में मार्च के दौरान चौथी बार लू चली है। लगातार गर्म हवाओं के कारण तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई। खजुराहो में 39.6 डिग्री, रतलाम और मंडला में 39.5 डिग्री, खंडवा में 39.1 डिग्री, खरगोन में 38.5 डिग्री, रायसेन में 38.4 डिग्री और सिवनी-सागर में 38.2 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया। प्रदेश के प्रमुख शहरों में जबलपुर सबसे गर्म रहा, जहां तापमान 38.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भोपाल, इंदौर और उज्जैन में तापमान 37 डिग्री तक पहुंच गया, जबकि ग्वालियर में 36.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मार्च में तीसरी बार बदलेगा मौसम

मार्च महीने में अब तक आंधी-बारिश के दो दौर आ चुके हैं, जिनमें 45 से अधिक जिलों में प्रभाव देखा गया और 17 जिलों में ओले भी गिरे। अब तीसरा दौर 29 मार्च से शुरू होकर 30 मार्च तक जारी रहने की संभावना है। हालांकि 27 मार्च को भी मौसम में बदलाव देखा गया था, लेकिन उसका असर सीमित रहा।

रूस 1 अप्रैल से नहीं बेचेगा पेट्रोल, 31 जुलाई तक लगाई रोक

मॉस्को (आरएनएस)। वैश्विक तेल बाजार में जारी उथल-पुथल के बीच रूस ने बड़ा कदम उठाते हुए 1 अप्रैल से पेट्रोल (गैसोलीन) के निर्यात पर अस्थायी प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। इकोनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, इस फैसले की आधिकारिक पुष्टि रूसी सरकार ने कर दी है।

रूस के उप प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर नोवाक ने शुक्रवार को ऊर्जा मंत्रालय को निर्देश जारी करते हुए 1 अप्रैल से पेट्रोल निर्यात पर रोक लगाने का प्रस्ताव तैयार करने को कहा है। रूसी समाचार एजेंसी ञ्जस्स् के मुताबिक, यह प्रतिबंध चार महीने यानी 31 जुलाई तक लागू रह सकता है।सरकार के अनुसार, मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव ने वैश्विक तेल और पेट्रोलियम बाजार में अस्थिरता पैदा कर दी है। इससे कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। हालांकि, रूस ने यह भी कहा है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में उसकी ऊर्जा संसाधनों की मांग अभी भी मजबूत बनी हुई है।सरकार ने भरोसा दिलाया है कि देश में कच्चे तेल का रिफाइनिंग स्तर पिछले वर्ष जैसा ही बना हुआ है, जिससे घरेलू स्तर पर पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति स्थिर रहेगी।

मणिपुर के अलग-अलग हिस्सों से आठ उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल, (ए.)। मणिपुर में प्रतिबंधित संगठनों के विरूद्ध जारी अभियानों में सुरक्षा बलों को लगातार सफलता मिल रही है। मणिपुर पुलिस मुख्यालय द्वारा आज दी गयी आधिकारिक सूचना के अनुसार राज्य के अलग-अलग हिस्सों में बीते 24 घंटे के दौरान विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों के कुल आठ कैडरों को गिरफ्तार किया गया है। पहले अभियान में सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को प्रतिबंधित संगठन यूएनएलएफ (पी) के एक सक्रिय कैडर थोंगबम प्रेमजीत सिंह (49) को गिरफ्तार किया गया है। वह पश्चिम इंफाल जिले के थांगमेइबंद काबराबम लेइकाई का रहने वाला है। उसे उसके घर से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपित 2022 की शुरुआत में सगोलबंद ताखेलंबम लेइकाई में हुए एक बम धमाके के संबंध में इंफाल थाने में दर्ज एक प्राथमिकी के मामले में आरोपित है। उसके पास से एक मोबाइल फोन और एक आधार कार्ड जब्त किया गया।दूसरे अभियान में इसी सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठन आरपीएफ/पीएलए के एक सक्रिय कैडर चिंगाखाम नोंगपोकंगनबा मैतेई (21) को, जो इंफाल पूर्व जिले के लामलाई थानांतर्गत ताखेल अवांग लेइकाई का रहने वाला है, को उसके इलाके से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक मोबाइल फोन जब्त किया गया।तीसरे अभियान में सुरक्षा बलों ने तेंगनौपाल जिले के मोरेह थानांतर्गत अंतरराष्ट्रीय सीमा पोस्ट 73 और 74 के बीच से प्रतिबंधित संगठन केसीपी और केवाईकेएल के एक-एक कैडरों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार कैडरों की पहचान केसीपी कैडर अंगोम लेम्बा मैतेई उर्फ लिकलाईंगम्बा (26) के रूप में की गयी है।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव आज इंदौर में 'लॉन्चपैडः इन्क्यूबेशन एवं इनोवेशन सेंटर' का करेंगे शुभारंभ

अमृत 2. में जल आपूर्ति परियोजनाओं का करेंगे भूमि-पूजन

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार 29 मार्च को इंदौर में विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इस दौरान वे सिंहासा आईटी पार्क में स्थापित 'लॉन्चपैड : इन्क्यूबेशन एवं इनोवेशन सेंटर' का शुभारंभ करेंगे, दशहरा मैदान में आयोजित 'संकल्प से समाधान अभियान' कार्यक्रम में भाग लेंगे और अमृत 2.0 योजना में विभिन्न जल आपूर्ति परियोजनाओं का भूमि-पूजन करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव अत्याधुनिक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का लोकार्पण भी करेंगे।

प्रदेश में डीप-टेक नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र होगा सुदृढ़

सिंहासा आईटी पार्क में स्थापित 'लॉन्चपैड : इन्क्यूबेशन एवं इनोवेशन सेंटर' की स्थापना आईआईटीआई दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन (आईआईटी इंदौर का टेक्नोलॉजी ट्रांसलेशन एवं रिसर्च पार्क) तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीएसईडीसी) के संयुक्त सहयोग से की गई है। इस केंद्र का उद्देश्य डीप-टेक नवाचार को प्रोत्साहित करना, उच्च प्रभाव वाले स्टार्टअप्स को बढ़ावा देना, उन्नत विनिर्माण तथा उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में प्रदेश को

सशक्त बनाना और उद्योग एवं अकादमिक जगत के बीच सहयोग को मजबूत करना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव लॉन्चपैड सेंटर का अवलोकन करेंगे तथा यहां संचालित नवाचार एवं स्टार्टअप गतिविधियों की जानकारी भी प्राप्त करेंगे। यह केंद्र मध्यप्रदेश को डीप-टेक नवाचार आधारित विकास एवं उद्यमिता का अग्रणी केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

'संकल्प से समाधान' अभियान से मजबूत हुआ जनविश्वास

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव दशहरा मैदान में 'संकल्प से समाधान अभियान' के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर हितलाभ वितरण करेंगे। प्रदेश में 12 जनवरी से 31 मार्च 2026 तक संचालित इस अभियान के अंतर्गत इंदौर जिले में 1 लाख 44 हजार 912 आवेदनों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया। अभियान चार चरणों में संचालित हुआ, जिसमें ग्राम पंचायत से लेकर जिला स्तर तक शिविर आयोजित कर विभिन्न विभागों की 100 से अधिक सेवाओं को शामिल किया गया।समस्याओं का मौके पर समाधान सुनिश्चित होने से शासन के प्रति आमजन का विश्वास और अधिक सुदृढ़ हुआ है।

अमृत 2.0 के तहत जल आपूर्ति को मिलेगी मजबूती

मुख्यमंत्री अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत नर्मदा जल प्रदाय योजना के चौथे चरण का भूमि-पूजन करेंगे। इस परियोजना से शहर की जल आपूर्ति व्यवस्था को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप सुदृढ़ किया जाएगा तथा वर्ष 2040 तक की बढ़ती आबादी की मांग को पूरा करने की दिशा में यह महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगी।

संक्षिप्त समाचार

1 अप्रैल से महंगा होगा टोल

5-10 प्रतिशत तक बढ़ेंगे दाम

भोपाल (ए.)। वाहन चालकों के लिए 1 अप्रैल से सफर महंगा होने जा रहा है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा टोल टैक्स में 5 से 10 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की जा रही है, जो हर साल की तरह इस बार भी लागू होगी। इस बढ़ोतरी का सीधा असर जबलपुर से नागपुर, रायपुर, प्रयागराज और भोपाल जैसे प्रमुख शहरों की यात्रा पर पड़ेगा। वाहन चालकों को अब हर टोल प्लाजा पर ज्यादा राशि चुकानी होगी। जानकारी के अनुसार, जबलपुर के आसपास स्थित टोल प्लाजा पर कार चालकों को 5 से 10 रुपए तक अतिरिक्त शुल्क देना पड़ सकता है। वहीं फास्टेग के जरिए मिलने वाले करीब 3 हजार रुपए के एनुअल पास में भी लगभग 75 रुपए तक की बढ़ोतरी की संभावना है। टोल टैक्स की दरें होलसेल प्राइस इंडेक्स के आधार पर तय की जाती हैं। हर साल के अंत में इंडेक्स का मूल्यांकन कर सडक़ परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय नए रेट जारी करता है। टोल की राशि सडक़ की लंबाई और उस पर बने इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे फ्लाईओवर, अंडरपास, टनल आदि के आधार पर भी तय होती है। जहां ज्यादा सुविधाएं होती हैं, वहां टोल भी अधिक लगता है। वाहन चालकों का कहना है कि टोल बढ़ाना समझ में आता है, लेकिन सडक़ों का मेंटेनेंस भी उतना ही जरूरी है। भोपाल रोड की हालत खराब बताई जा रही है, जबकि बरेला के आगे अभी भी काम जारी है। इसके बावजूद पूरा टोल वसूला जा रहा है, जिससे लोगों में नाराजगी है। जबलपुर से दमोह, सागर अभी हाईवे घोषित है, लेकिन बना नहीं है, जिसके चलते यह अभी स्टेट हाइवे की श्रेणी में आता है। इसी तरह से जबलपुर से पाटन, तेंदूखेड़ा जबलपुर से गोटेगांव में स्टेट हाईवे को टोल है। वाहन मालिकों का कहना है कि टोल टैक्स बढ़ाए जाना अच्छा है, पर सडक़ का मेंटेनेंस भी जरुरी होता है। उनका कहना है कि सडक़ को साल भर मेनटेन नहीं किया जाता है। भोपाल रोड अभी भी खराब है। इसके बाद भी टोल पूरा देना पड़ता है। इसी तरह बरेला के आगे काम चल रहा है।

वृहद विधिक जागरुकता शिविर का आयोजन आज कैरियर कॉलेज में

भोपाल,(निप्र.)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर से प्राप्त निर्देशानुसार वृहद विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन 29 मार्च को प्रात: 11:30 बजे कैरियर कॉलेज भोपाल के सभागार में शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिसमें आमजन को विधिक सहायता की जानकारी प्रदान एवं समस्याओं का निवारण किया जाएगा। विधिक जागरूकता शिविर के लिए नोडल अधिकारी, शासन के विभिन्न विभागों जैसे राजस्व विभाग, सामाजिक न्याय विभाग, महिला एवं बाल विकास, नगर निगम के स्टॉल एवं आमजन को विधिक सहायता एवं शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाएगा।

ममता की छांव और उम्मीद की नई किरण : श्रीमती अनामिका जैन के सेवा संकल्प की अनकही दास्तान

भोपाल,(निप्र.)। समाज में अक्सर जिन्हें हम विक्षिप्त कहकर अनदेखा कर देते हैं, उनके पीछे छिपी पीड़ा और खोई हुई पहचान को वापस लौटाने का बीड़ा मंदसौर की एक बेटी ने उठाया है। संजीत (मंदसौर) की रहने वाली श्रीमती अनामिका जैन आज उन बेसहारा महिलाओं के लिए मसीहा बन चुकी हैं, जिनका अपना कोई ठिकाना नहीं था। अनामिका जी का सेवा का सफर 17-18 साल पहले उनके पिता के साथ शुरू हुआ था। मास्टर ऑफ सोशल वर्क (MSW) की पढ़ाई कर चुकीं अनामिका ने जब समाज के सबसे उपेक्षित तबके—निराश्रित और विक्षिप्त महिलाओं—की स्थिति देखी, तो उनका मन पसीज गया।शुरुआत में वे सात वर्षों तक इन महिलाओं की देखरेख कर उन्हें इंदौर या उज्जैन के अनाथालयों में भेजती थीं। लेकिन कई बार जगह की कमी के कारण जब उन्हें वहां से वापस लौटा दिया जाता, तो वह बेबसी अनामिका जी को सोने नहीं देती थी। इसी पीड़ा ने अनामिका जनकल्याण सेवा समिति विक्षिप्त आश्रय गृह की नींव रखी। वर्ष 2018 में प्रशासन के सहयोग से उन्होंने एक शासकीय भवन (500 क्वार्टर, रेवास देवड़ा रोड) में इस आश्रय गृह की स्थापना की। यह मध्य प्रदेश का ऐसा पहला आश्रम बना, जो न केवल महिलाओं को छत देता है, बल्कि उनके पुनर्वास (Rehabilitation) पर केंद्रित है।इन महिलाओं को दवा से ज्यादा एक परिवार और प्यार की जरूरत होती है, अनामिका जी कहती हैं। उनके आश्रम में त्यौहार केवल रस्म नहीं, बल्कि खुशियों का संगम होते हैं, जहाँ इन महिलाओं को पूरी तरह पारिवारिक माहौल दिया जाता है। अनामिका जी का कार्य केवल आश्रय देने तक सीमित नहीं है। पुलिस विभाग द्वारा लाई गई महिलाओं का वे इलाज करवाती हैं और उनकी याददाश्त वापस लाने के लिए खेल-खेल में गतिविधियां आयोजित की जाती हैं।

भोपाल में होगा तीन राज्यों के युवा विधायकों का सम्मेलन

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश विधानसभा में युवा विधायकों का दो दिवसीय सम्मेलन 30 और 31 मार्च, 2026 को विधानसभा के विधान परिषद हाल में आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन में राष्ट्रकुल संसदीय संघ (भारत क्षेत्र 6) के तीन राज्य में मध्यप्रदेश के 18, छत्तीसगढ़ के 15 तथा राजस्थान के 22 युवा विधायक सम्मिलित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी और छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह 30 मार्च को उद्घाटन कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन के प्रथम दिवस 'लोकतंत्र और नागरिकों की भागीदारी को मजबूत करने के लिये युवा विधायकों की भूमिका' विषय पर मंथन होगा। प्रथम दिवस माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी युवा विधायकों को संबोधित करेंगे। सम्मेलन के दूसरे दिन 31 मार्च को 'विकसित भारत 2047- युवा विधायकों के दायित्व एवं चुनौतियां' विषय पर मंथन होगा। इस दिन अन्य सत्रों के अलावा एमआईटी पूना के चेयरमैन डॉ. राहुल वी. कराड का भी संबोधन होगा।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मनकामेश्वर मंदिर में की पूजा

भोपाल (ए.)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा शहर के मनकामेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना कर सभी के कल्याण की कामना की। साथ ही मंदिर में जनभागीदारी से कराए जा रहे सौंदर्यीकरण कार्य का अवलोकन किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्राचीन मंदिर हजारों लोगों की आस्था का केन्द्र है। इसका निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कराएं। इसके परिसर विस्तार से भक्तों को दर्शन और पूजा-अर्चना में सहूलियत मिलेगी। निरीक्षण के समय निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने 1.82 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन।

स्कूटी से शराब तस्करी कर रहा युवक चढ़ा पुलिस के हत्थे

भोपाल(ए.)। थाना हनुमानगंज पुलिस ने 63 लीटर देशी शराब के साथ एक ऐसे आरोपी को दबोचा है, जो स्कूटी से शराब तस्करी कर रहा था। थाना प्रभारी हनुमानगंज निरीक्षक अवधेश सिंह भदौरिया से मिली जानकारी के अनुसार बीते दिन मुखबिर से सूचना मिली की इलाके में समांतर रोड पर एक संदिग्ध व्यक्ति अवैध शराब लेकर उसकी डिलेवरी देने की फिराक में खड़ा है। खबर मिलते ही टीम ने घेराबंदी कर संदेही युवक को पकड लिया, उसकी पहचान आकाश प्रजापति पिता हरी शंकर प्रजापति (23) निवासी विजय नगर कालारी के सामने किराये का मकान सांई राम कालोनी सेमरा गेट, स्टेशन बजरिया के रुप में हुई। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से करीब 28 हजार कीमत की 63 लीटर देशी शराब जप्त की गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट का प्रकरण दर्ज कर शराब

सहित तस्करी में इस्तेमाल की जा रही स्कूटी को जप्त कर गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी से शराब लाने और उसे खपाने के संबध में आगे की पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने बताया की पकड़े गये आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के थाना स्टेशन बजरिया में दो और थाना हनुमानगंज में एक प्रकरण दर्ज है।

मप्र के 8 शहरों में बनेंगे ईवी चार्जिंग स्टेशन

भोपाल (ए.)। पेट्रोल-डीजल वाहनों पर निर्भरता कम करने और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। पीएम-ई ड्राइव योजना के तहत मध्य प्रदेश के भोपाल, इंदौर समेत आठ प्रमुख शहरों में पब्लिक इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। इसके लिए नगरीय निकायों से उपयुक्त स्थान चिन्हित करने को कहा गया है, जबकि अनुदान केंद्र सरकार उपलब्ध कराएगी। केंद्र के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने इन शहरों में ई-बस संचालन के लिए 63.22 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है, जिसमें से 57।13 करोड़ रुपये पहले ही जारी किए जा चुके हैं। वहीं, भारी उद्योग मंत्रालय के माध्यम से चार्जिंग स्टेशन के लिए वित्तीय सहायता दी जाएगी।

इन शहरों में बनेगा नेटवर्क

राज्य के जिन शहरों को योजना में शामिल किया गया है, उनमें भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, सागर, देवास और सतना शामिल हैं। इन सभी नगर निगमों से प्रस्ताव मांगे गए हैं, ताकि चरणबद्ध तरीके से चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जा सकें।

प्रदेश में एलपीजी, पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध : मंत्री श्री राजपूत

भोपाल (ए.)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा है कि मध्यप्रदेश में एलपीजी (LPG), पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है तथा इनके वितरण में किसी प्रकार की कमी या बाधा नहीं है। उन्होंने बताया कि देश की सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता से कार्य कर रही हैं और कच्चे तेल (Crude Oil) का भंडार भी पर्याप्त है, जिससे ईंधन आपूर्ति में किसी प्रकार की रुकावट नहीं आएगी। मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि प्रदेश में पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता की स्थिति सामान्य है और सभी ऑयल कंपनियों के पास पेट्रोल (M S) और डीजल (H S D) का पर्याप्त भंडार मौजूद है। पेट्रोल पंपों पर भी ईंधन की किसी प्रकार की कमी नहीं है तथा कंपनी के डिपो से पेट्रोल और डीजल की लगातार आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।

रसोई गैस की उपलब्धता पर्याप्त

मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि एलपीजी बॉटलिंग प्लांटों में पर्याप्त स्टॉक बनाए रखा गया है। उपभोक्ताओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए सभी प्लांट अतिरिक्त समय तक कार्य कर रहे हैं, जिससे किसी भी स्थिति में रसोई गैस की उपलब्धता प्रभावित न हो।

मुआवज़ा नीति पर कोई ठोस पॉलिसी हो सरकार के पास : उमंग सिंघार

भोपाल,(निप्र.)। मध्य प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने शनिवार को अपने सरकारी आवास में पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रदेश में बढ़ती दुर्घटनाओं, प्रशासनिक लापरवाही और मुआवज़ा नीतियों में भेदभाव को गंभीर चुनौती बताया। उन्होंने राज्य और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए बढ़ती दुर्घटनाओं और छिंदवाड़ा हादसे का जिक्र करते हुए कहा कि देश और प्रदेश में वर्तमान स्थिति इमरजेंसी जैसी हो गई है। सिंघार ने छिंदवाड़ा बस हादसे का हवाला देते हुए कहा कि यह हादसा मुख्यमंत्री की सभा से लौट रही बस में हुआ, जिसमें 10 लोगों की मौत और लगभग 40 लोग घायल हुए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार और प्रशासन ने सभा में भीड़ जुटाने के लिए सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया। जनता की सुरक्षा भगवान भरोसे छोड़ देना चिंताजनक और निंदनीय है। सिंघार ने बताया कि कांग्रेस विधायक दल मृतकों के परिवारों को 50,000 रुपए की आर्थिक मदद देगा। नेता प्रतिपक्ष ने प्रदेश की मुआवज़ा नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि पिछली घटनाओं में अलग-अलग मुआवज़ा राशि दी गई है। भागीरथपुरा हादसे में 2 लाख दिए जाते हैं, कहीं और 1 लाख। सरकार के पास कोई ठोस यूनिफॉर्म पॉलिसी क्यों नहीं है?

भागीरथपुरा दूषित पानी कांड - 2 लाख रूपये

छिंदवाड़ा कफ सिरप कांड - 4 लाख रूपये

एम.वाय. अस्पताल चूहा कांड - 5 लाख रूपये

छिंदवाड़ा बस हादसा - 8 लाख रूपये (प्रारंभ में केवल 4 लाख रूपये की घोषणा)उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि मृतकों के परिवारों को मुआवज़ा पाने के लिए विभागों में भटकना पड़ता है, जबकि सरकार ने उद्योगपतियों के लिए सिंगल विंडो सिस्टम बना दिया कि उन्हें जमीन से लेकर तमाम एनओसी और सुविधाएं मिल जाएंगी।

रेलवन एपः यात्रियों के लिए एक स्मार्ट और उपयोगी डिजिटल सुविधा

RailOne

भोपाल (निप्र)। रेलवे द्वारा यात्रियों को बेहतर, सुगम एवं आधुनिक सेवाएं प्रदान करने की दिशा में रेलवन (RailOne) एप एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आया है। यह एप विभिन्न रेल सेवाओं को एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराकर यात्रियों के अनुभव को और अधिक सरल एवं सुविधाजनक बनाता है। रेलवन एप के माध्यम से यात्री ट्रेन संबंधी जानकारी, टिकट बुकिंग, पीएनआर स्टेटस, लाइव ट्रेन स्टेटस, प्लेटफॉर्म सूचना सहित कई महत्वपूर्ण सेवाओं का लाभ आसानी से उठा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, यह एप उपयोगकर्ता के अनुकूल इंटरफेस के साथ तेज और सुरक्षित सेवा प्रदान करता है। भोपाल मंडल द्वारा यात्रियों से अपील की गई है कि वे डिजिटल सेवाओं का अधिक से अधिक उपयोग करें और रेलवन एप डाउनलोड कर अपनी यात्रा को और अधिक आरामदायक एवं व्यवस्थित बनाएं। रेल प्रशासन निरंतर यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तकनीकी नवाचारों को बढ़ावा दे रहा है, जिससे रेल सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार हो सके।

पत्नी और नाबालिक बेटे को हथियार बनाकर बनाई थी डकैती डालने की योजना

भोपाल(ए.)। पुराने शहर की थाना शाहजहाँनाबाद पुलिस ने एक ऐसे आदतन बदमाश उसकी पत्नि सहित चार आरोपियो को गिरफ्तार किया है, जिसने अपने साथियो के साथ मिलकर डकैती डालने की योजना बनाई थी। हैरानी की बात यह है, की गैंग के मास्टर मांइड ने इस डकैती में अपनी पत्नि और नाबालिग बेटे को आगे रखते हुए उनका इस्तेमाल करने की प्लानिंग की थी। पुलिस ने मामले में उसकी की पत्नि को भी आरोपी बनाया है। गैंग का सरगना गांजा-चरस की तस्करी भी करता था, पुलिस ने उसके पास से नशीला पदार्थ भी जप्त किया है। थाना प्रभारी उमेश पाल सिंह चौहान से मिली जानकारी के अनुसार बीते दिन टीम को मुखबिर से सूचना मिली की इलाके में सुनसान स्थान पर कुछ संदिग्ध हथियारो से लैस होकर किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। इनपुट मिलते ही दो पुलिस टीमो ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी करते हुए सभी संदेहियो को पकड़ लिया। पूछताछ करने पर उनकी पहचान ऐजाज खान ऊर्फ लंगडा पिता छोटे खान (25) निवासी झुग्गी बस्ती मदर इंडिया कालोनी शाहजहाँनाबाद उसकी पत्नि आसिया खान (25) निवासी, मल्टी वाजपेयी नगर ईदगाह हिल्स और अन्य आरोपियो की पहचान अरबाज खान पिता छोटे उर्फ जहीर खान (21) निवासी, थाना कोतवाली, रायसेन, आशन अली पिता जावेद अली (20) निवासी, मदर इंडिया कालोनी शाहजहाँनाबाद सहित एक नाबालिग किशोर के रुप में हुई।

सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती पर दतिया पुलिस ने आयोजित की 'रन फॉर यूनिटी' साइकिल रैली पुलिस अधीक्षक द्वारा हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया गया।

प्रकृति संरक्षण के लिए शिक्षकों का विशेष प्रशिक्षण

प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवन जीने की कला सिखाने शिक्षकों को दी गई प्रकृति शिक्षा

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार प्रकृति संरक्षण, जैव विविधता और पर्यावरणीय संतुलन को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी दिशा में प्रकृति संरक्षण और पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित मध्यप्रदेश प्रकृति संरक्षण शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमपीटीटीएनसी 2025-2028) के अंतर्गत शिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वर्ष 2021 में हुए कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज़-26 में प्रारंभ किए गए मिशन LiFE (लाइफ स्टायल फॉर एनवारनमेंट) के उद्देश्यों से प्रेरित यह प्रशिक्षण डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया, वन विहार राष्ट्रीय उद्यान (भोपाल) और पीसीपीसी के संयुक्त सहयोग से आयोजित किया गया। इसका लक्ष्य प्रकृति के अविवेकपूर्ण उपभोग के स्थान पर सचेत और विचारशील उपयोग को बढ़ावा देना है। शिक्षक प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों को प्रकृति संरक्षण, पर्यावरणीय संतुलन और प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवनशैली के संबंध में प्रशिक्षित कर विद्यार्थियों को जिम्मेदार और जागरुक नागरिक के रूप में विकसित करना है।

पन्ना नेचर कैंप्स के अनुभव से मिली प्रेरणा

शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम की परिकल्पना पूर्व में आयोजित पन्ना नेचर कैंप्स की सफलता से प्रेरित हो कर की गई है। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया के सहयोग से संचालित इन शिविरों ने पन्ना टाइगर पुनर्स्थापन परियोजना की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लगभग 15 वर्षों तक चले इस प्रयास ने यह सिद्ध कर दिया कि संरक्षण कार्यों में समाज और समुदाय की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

कार में लगी आग, पिता के सामने जिंदा जल गया 4 साल का चिराग

इंदौर(ए.)। इंदौर के महू स्थित सिमरोल थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहां इंदौर-खंडवा रोड पर खड़ी एक कार में अचानक आग लग जाने से उसके भीतर मौजूद चार वर्षीय मासूम की जलकर मौत हो गई।

कार के बाहर काम कर रहे थे पिता

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक बच्चे की पहचान चिराग के रूप में हुई है जो अपने पिता संजय बढ़िया के साथ मौजूद था। संजय सेल सिटी के सामने अपनी कार खड़ी कर उसके बाहर डीजे की गाड़ी से संबंधित कुछ काम कर रहे थे। चिराग उस समय कार के अंदर ही बैठा हुआ था।

देखते ही देखते आग ने लिया विकराल रूप

काम के दौरान ही कार में अचानक आग भड़क उठी। आग इतनी भीषण थी कि पलक झपकते ही पूरी गाड़ी आग के गोलों में तब्दील हो गई। आसपास मौजूद राहगीरों और लोगों ने जब तक मदद के लिए हाथ बढ़ाया और आग बुझाने का प्रयास किया तब तक मासूम चिराग इसकी चपेट में आ चुका था।

भोजशाला पहुंचे हाईकोर्ट के जज, 52 मिनट का गोपनीय निरीक्षण; अब दो अप्रैल से शुरू होगी सुनवाई

धार (ए.)। धार की भोजशाला का इंदौर हाईकोर्ट के जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और आलोक अवस्थी ने निरीक्षण किया। एएसआई की सर्वे रिपोर्ट और संरचनात्मक साक्ष्यों की समीक्षा की गई। मामले की अगली सुनवाई 2 अप्रैल से होगी।

केंद्रीय पुरातत्व विभाग के अधीन धार स्थित भोजशाला का निरीक्षण करने और इसके इतिहास की जानकारी लेने के लिए इंदौर हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला और आलोक अवस्थी शनिवार दोपहर धार पहुंचे। न्यायाधीशों के आगमन की सूचना मिलते ही सुबह से ही जिला प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया था।

न्यायमूर्ति और अधिकारियों का काफिला सीधे भोजशाला के मुख्य मार्ग तक पहुंचा। इसके बाद चौकी के पास बेरिकेड्स लगाकर आम आवाजाही रोक दी गई। न्यायमूर्ति शुक्ला का निरीक्षण पूरी तरह गोपनीय रखा गया। वे करीब 52 मिनट तक भोजशाला परिसर में रहे। इस दौरान पुरातत्व विभाग के अधिकारियों ने संरचना के संरक्षण के लिए किए गए कार्यों की जानकारी दी। निरीक्षण के समय कलेक्टर प्रियंक मिश्रा और एसपी मयंक अवस्थी भी मौजूद रहे।

दरअसल, भोजशाला को लेकर वर्ष 2022 में 'हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस' द्वारा इंदौर हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। इस मामले में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने 98 दिनों का सर्वे कर 2189 पृष्ठों की रिपोर्ट न्यायालय में प्रस्तुत की थी। इसके बाद अदालत ने सभी पक्षों से सुझाव और आपत्तियां मांगी थीं।

हाल ही में हुई सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति ने स्वयं भोजशाला का निरीक्षण करने की इच्छा जताई थी। इसी के तहत वे शनिवार दोपहर करीब 1:30 बजे धार पहुंचे। ऐसे में यह दिन भोजशाला प्रकरण के लिए अहम माना जा रहा है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 2 अप्रैल से शुरू होगी।

निरीक्षण के दौरान न्यायमूर्ति शुक्ला ने परिसर के भीतर स्तंभों की नक्काशी, प्राचीन खंभों पर उकेरी गई आकृतियों और ऐतिहासिक शिलालेखों का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने दीवारों पर अंकित लिपियों को भी ध्यानपूर्वक देखा। साथ ही एएसआई द्वारा किए गए सर्वे के निशानों और चिन्हित स्थलों की जानकारी ली।

सर्वे रिपोर्ट में कई महत्वपूर्ण संरचनात्मक तथ्य सामने आए हैं, जिन पर 2 अप्रैल से शुरू होने वाली सुनवाई में विशेष ध्यान दिया जाएगा। न्यायमूर्ति के दौरे को देखते हुए भोजशाला के आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे और बाहरी लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई थी। प्रशासनिक अधिकारियों ने न्यायमूर्ति को परिसर की व्यवस्थाओं और संरक्षण कार्यों की तकनीकी जानकारी भी दी।

शिवपुरी में इंस्टाग्राम पर लाइव आकर पर युवक ने दी जानः 14 मिनट का वीडियो आया सामने; कारणों की जांच जारी

शिवपुरी (ए.)। शिवपुरी में 22 वर्षीय युवक मनोज रजक ने इंस्टाग्राम लाइव के दौरान फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना का वीडियो सामने आया है। कारण स्पष्ट नहीं है, पुलिस मोबाइल जांच और परिजनों के बयान के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

शिवपुरी जिले में 22 वर्षीय युवक ने इंस्टाग्राम पर लाइव आकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या से पहले उसने अपने म्यूजिक सिस्टम पर सैड सॉन्ग "मैं अधूरा जी रहा हूं" चला रखा था।

जानकारी के अनुसार, मृतक मनोज रजक के पिता सिंधिया रजक ने उसकी मां की मौत के बाद दूसरी शादी कर ली थी। मनोज की एक बहन थी, जिसकी शादी हो चुकी है। बाद में उसके पिता का भी निधन हो गया। इसके बाद मनोज अपनी सौतेली मां, दो सौतेली बहनों और एक भाई से अलग किराए के कमरे में रहने लगा था।

मनोज के दोस्त शुभम रजक के मुताबिक, वह पीलांबर में हेल्पर का काम करता था। उसका व्यवहार अच्छा था और दोस्तों से उसके अच्छे संबंध थे। वह अपने कमरे से रेडीमेड कपड़े बेचकर अतिरिक्त आमदनी भी करता था, जिनमें उसके दोस्त भी ग्राहक थे।

घटना का करीब 14 मिनट का वीडियो सामने आया है। इसमें मनोज पहले कुर्सी की मदद से कपड़े टांगने वाले स्टैंड पर चढ़ता है। इस दौरान वह एक बार गिर भी जाता है। फिर मोबाइल का एंगल ठीक करने वापस आता है और लाइव पर आ रहे मैसेज देखता है। वह दोस्तों को हाथ हिलाकर 'बाय' करता है और फ्लाइंग किस देता है। इसके बाद वह दोबारा कुर्सी पर चढ़कर पंखे से गुलुबंद बांधकर फांसी लगा लेता है। शुभम ने बताया कि मनोज का यह लाइव वीडियो उसके कई दोस्तों ने देखा था। जब वे मौके पर पहुंचे, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। आत्महत्या के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। स्थानीय लोग प्रेम प्रसंग या पारिवारिक तनाव की आशंका जता रहे हैं। देहात थाना प्रभारी विकास यादव ने बताया कि पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराया है। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

'यह दुर्घटना नहीं, लापरवाही है': पटवारी ने बस हादसे पर बोली ये बात, सीएम यादव को घेरा; एक करोड़ मुआवजे की मांग

छिंदवाड़ा (ए.)। छिंदवाड़ा जिले में हुए भीषण बस हादसे के बाद सियासत गरमा गई है। शनिवार को नेता प्रतिपक्ष जीतू पटवारी प्रभावित गांवों में पहुंचे और मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। इसके बाद उन्होंने राज्य सरकार और प्रशासन पर तीखा हमला बोलते हुए इस घटना को सरकारी हत्या करार दिया।

पटवारी अपने तय कार्यक्रम के अनुसार सौंसर, करेर, मुआर, झिरिया और झामटा गांव पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवारों के बीच बैठकर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान कई परिवारों ने अपनों को खोने का दर्द साझा किया, जिससे माहौल बेहद गमगीन हो गया।

मीडिया से बातचीत में पटवारी ने कहा कि यह महज सड़क दुर्घटना नहीं, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही का नतीजा है। उनका आरोप है कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में भीड़ जुटाने के लिए दबाव बनाया गया, जिसके चलते लोगों को मजबूरी में जाना

पड़ा और वे हादसे का शिकार हो गए।

उन्होंने मुख्यमंत्री मोहन यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री को इस घटना पर शर्म आनी चाहिए। उनके कार्यक्रम के कारण 10 लोगों की जान चली गई, जो बेहद असंवेदनशीलता का उदाहरण है। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री का दौरा एक इवेंट बनकर रह गया, जिसमें आम लोगों की सुरक्षा और संवेदनाओं को नजरअंदाज किया गया।

पटवारी ने आरोप लगाया कि मृतकों के परिजनों को अब तक केवल अंतिम संस्कार के लिए 5 हजार रुपए दिए गए हैं, जो बेहद नाकाफी है। सरकार द्वारा अब तक किसी ठोस मुआवजे की घोषणा नहीं किए जाने से पीड़ित परिवारों में नाराजगी है। उन्होंने जिला प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि कलेक्टर इस पूरे मामले के लिए जिम्मेदार हैं। प्रशासनिक अमले का दुरुपयोग कर भीड़ जुटाई गई, जिसमें आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, नल चालक और स्कूलों में भोजन बनाने वाले कर्मचारी भी शामिल थे।

पटवारी ने एक मार्मिक उदाहरण देते हुए बताया कि इस हादसे में एक 17 वर्षीय बच्ची ने अपना पूरा परिवार खो दिया, जो बेहद दुखद और हृदयविदारक है। उन्होंने कहा कि इस घटना की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने मांग की कि सभी मृतकों के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपए का मुआवजा दिया जाए। दौरे के बाद पटवारी शाम करीब 4 बजे छिंदवाड़ा से भोपाल के लिए रवाना हो गए। इस बयान के बाद प्रदेश की राजनीति में नया विवाद खड़ा हो गया है।

व्यापार समाचार

शतक लगाने की दहलीज पर रुपया? भारतीय मुद्रा में गिरावट की पूरी कहानी आसान भाषा में यहां समझें

नई दिल्ली (ए.)। साल 2010 में एक अमेरिकी डॉलर की कीमत लगभग 45 रुपये हुआ करती थी, जो मार्च 2026 में गिरकर 94.82 रुपये के ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंच गई है। पिछले डेढ़ दशक में डॉलर के मुकाबले रुपये में लगभग 109त्न की गिरावट आई है, जो औसतन 4.7त्न सालाना की दर से है। एक निवेशक और आम नागरिक के तौर पर यह समझना जरूरी है कि दुनिया की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में से एक होने के बावजूद भारतीय मुद्रा लगातार दबाव में क्यों है।

आइए सवाल-जवाब के जरिए समझते हैं रुपये में गिरावट से जुड़ा हर पहलू।

सवाल: रुपये के कमजोर होने का सबसे बड़ा कारण क्या है?

जवाब: इसका सबसे बड़ा कारण भारत और अमेरिका के बीच लगातार बना रहने वाला महंगाई का अंतर है। भारत में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई ऐतिहासिक रूप से 5-6त्न के बीच रही है, जबकि अमेरिका में यह अमूमन 2त्न के आसपास रहती है। जब भारत में कीमतें अमेरिका की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ती हैं, तो रुपये की क्रय शक्ति कम हो जाती है। इस अंतर को संतुलित करने के लिए रुपये का नाममात्र अवमूल्यन (मूल्य घटना) जरूरी हो जाता है।

सवाल: 2026 में रुपये की अचानक भारी गिरावट के पीछे क्या कारण हैं?

जवाब: मार्च 2026 में पश्चिम एशिया (विशेषकर ईरान) में युद्ध की स्थिति के कारण कच्चे तेल की कीमतें 112 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गईं, इस हालात ने भारत के आयात बिल को असहनीय स्तर तक बढ़ा दिया। इसके साथ ही, वैश्विक जोखिम बढ़ने पर विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफआईआई व एफपीआई) ने सुरक्षित निवेश (डॉलर और सोना) में निवेश के लिए भारतीय इक्विटी और ऋण बाजारों से 11 बिलियन डॉलर से अधिक की भारी निकासी की। वहीं, जनवरी 2026 में भारत में सोने के आयात में भी 349त्न का भारी उछाल भी देखा गया था। इन कारकों ने बाजार में डॉलर की मांग को अचानक बढ़ा दिया, इससे रुपया 94.82 के निचले स्तर पर आ गया। शुक्रवार को अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 94.18 पर खुला और पहली बार 94.50 का स्तर पार करते हुए आखिरकार 89 पैसे की भारी गिरावट के साथ 94.85 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ। इससे पहले बुधवार को यह 93.96 पर बंद हुआ था।

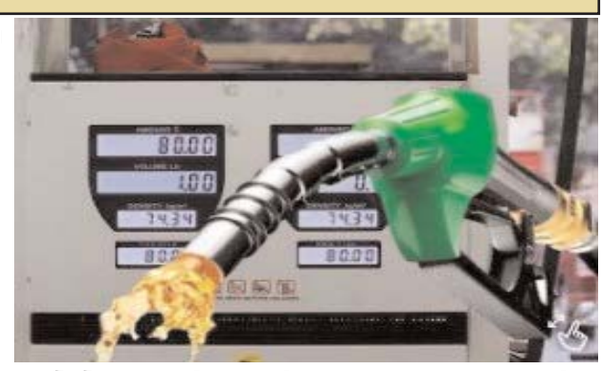

पेट्रोल पर तीन व डीजल पर 10 रुपए घटी एक्साइज ड्यूटी, तेल कंपनियों को फायदा

- आम उपभोक्ताओं को तुरंत राहत मिलने की संभावना नहीं, कच्चे तेल की कीमतों पर निर्भर रहेगा आगे का असर

नई दिल्ली (ए.)। केंद्र सरकार ने पेट्रोल, डीजल और एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) पर टैक्स और निर्यात नियमों में बड़ा बदलाव करते हुए एक्साइज ड्यूटी में भारी कटौती की है। हालांकि इस फैसले से आम उपभोक्ताओं को तुरंत राहत मिलने की संभावना नहीं है, क्योंकि पेट्रोल-डीजल के रिटेल दामों में फिलहाल कोई कमी नहीं की गई है। सरकार का यह कदम ऊर्जा क्षेत्र में टैक्स ढांचे को सरल और तार्किक बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी में बड़ा बदलाव किया है। पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी को 13 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 3 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है, जबकि डीजल पर 10 रुपये प्रति लीटर की ड्यूटी को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार ये नए नियम तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं। हालांकि इस कटौती के बावजूद आम लोगों को पेट्रोल-डीजल के दामों में किसी तरह की राहत नहीं मिलेगी। इसकी मुख्य वजह यह है कि तेल विपणन कंपनियां इस कटौती से होने वाले लाभ का उपयोग अपने नुकसान की भरपाई करने में करेंगी। पिछले समय में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल के कारण इन कंपनियों को नुकसान उठाना पड़ा था। ऐसे में अब लागत कम होने से उनके मुनाफे और कैश फ्लो में सुधार होगा। सरकार ने केंद्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 2017 में भी संशोधन किया है। इसके तहत पेट्रोल, हाई-स्पीड डीजल (एचएसडी) और एटीएफ पर नियम 18 और 19 के प्रावधान लागू नहीं होंगे। हालांकि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों को पड़ोसी देशों नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और श्रीलंका को ईंधन निर्यात करने पर पहले की तरह छूट मिलती रहेगी। निर्यात के मोर्चे पर भी सरकार ने अहम बदलाव किए हैं। हाई-स्पीड डीजल के निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क 18.5 रुपये प्रति लीटर तय किया गया है, जबकि पेट्रोल के निर्यात पर इस शुल्क को शून्य रखा गया है। इससे पेट्रोल निर्यात को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा निर्यात और विदेशी एयरलाइंस को ईंधन आपूर्ति के मामलों में बुनियादी उत्पाद शुल्क और कृषि उपकर को हटाने का फैसला किया गया है। एविएशन सेक्टर के लिए भी राहत की घोषणा की गई है। एटीएफ पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क को बढ़ाकर 50 रुपये प्रति लीटर किया गया था, लेकिन एक अलग अधिसूचना के जरिए प्रभावी दर को घटाकर 29.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। साथ ही, आयातित एटीएफ पर अतिरिक्त सीमा शुल्क को भी हटा दिया गया है, जिससे एयरलाइंस की लागत कम हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार के इन फैसलों से ऊर्जा क्षेत्र में टैक्स ढांचे में स्पष्टता आएगी और निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। हालांकि, इसका अंतिम असर अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों और बाजार की स्थिति पर निर्भर करेगा। फिलहाल, यह कदम तेल कंपनियों के लिए राहत भरा साबित होगा, जबकि आम जनता को सस्ते ईंधन के लिए अभी इंतजार करना पड़ सकता है।

वैश्विक अनिश्चितता से गिरावट के साथ खुले भारतीय शेयर बाजार

- सेंसेक्स 800 से ज्यादा अंक टूटा, निफ्टी 23100 के करीब

मुंबई (ए.)। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच गिरावट के साथ खुला। अमेरिका और ईरान के बीच संभावित युद्धविराम को लेकर जारी अनिश्चितता ने निवेशकों को सतर्क बना दिया है, जिसका असर घरेलू बाजार पर साफ दिखा। शुरुआती कारोबार में ही बीएसई सेंसेक्स 500 अंकों से अधिक गिरकर 74,883.79 पर खुला। खुलने के तुरंत बाद गिरावट और तेज हो गई। सुबह 9:27 बजे सेंसेक्स 784.99 अंक यानी 1.04 प्रतिशत टूटकर 74,488.46 पर कारोबार करता दिखा। इसी तरह निफ्टी 50 भी दबाव में रहा। निफ्टी 23,173.55 पर खुला, लेकिन जल्द ही गिरावट गहराते हुए सुबह 9:31 बजे 270.05 अंक या 1.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,082.10 पर पहुंच गया। बाजार में गिरावट की एक बड़ी वजह इंडेक्स हैवीवेट शेयरों में बिकवाली रही। खासतौर पर एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में कमजोरी ने बाजार पर नकारात्मक दबाव डाला। इसके अलावा, डॉलर के मुकाबले रुपये में आई तेज गिरावट ने भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया है। कमजोर रुपये से विदेशी निवेशकों का भरोसा डगमगा सकता है, जिससे बाजार में पूंजी निकासी का जोखिम बढ़ जाता है।

सोने-चांदी की कीमतों में उछाल, एमसएक्स पर सोना 1,40,780 के पार

- सोने 12 रुपये महंगा, चांदी 43 रुपए चढ़ी

नई दिल्ली (ए.)। सोने और चांदी की कीमतों में शुक्रवार को मजबूती देखने को मिली है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसएक्स) पर सोना करीब 1,200 रुपए की बढ़त के साथ 1,40,780 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। वहीं चांदी भी 4,300 रुपए चढ़कर 2,24,120 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी दोनों कीमती धातुओं में तेजी दर्ज की गई है, जहां सोना 1.26 फीसदी बढ़कर 4432.50 डॉलर प्रति औंस और चांदी 2 फीसदी से अधिक बढ़कर करीब 69.36 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रही है। देश के प्रमुख शहरों में भी सोने के दाम ऊंचे बने हुए हैं। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,44,690 रुपए और 22 कैरेट 1,32,640 रुपए प्रति 10 ग्राम बिक रहा है। मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में 24 कैरेट सोने का भाव 1,44,540 रुपए और 22 कैरेट 1,32,490 रुपए के आसपास है। सराफा बाजार में चांदी का भाव लगभग 2,49,900 रुपए प्रति किलो दर्ज किया गया। विशेषज्ञों के अनुसार, हालिया तेजी के पीछे कई कारण हैं। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कम होने से बाजार में असमंजस बना हुआ है। ऊंची ब्याज दरें सोने में निवेश को कम आकर्षक बनाती हैं, क्योंकि इसमें ब्याज नहीं मिलता। इसके अलावा मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव ने भी सुरक्षित निवेश के रूप में सोने-चांदी की मांग बढ़ाई है। साथ ही विदेशी निवेशकों की बिकवाली से रुपया कमजोर हुआ है, जिससे आयात महंगा हो गया और कीमतों पर असर पड़ा। आने वाले दिनों में वैश्विक संकेतों के आधार पर इनकी कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

चुप रहना आत्म-सम्मान को तिलांजलि देना

डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन पर भरोसा करना कठिन होता चला गया है। वह ना तो द्विपक्षीय वार्ता के दौरान बनी सहमतियों पर कायम रहता है, और ना ही यह भरोसा रहता है कि वार्ता जारी रहने के दौरान वो कोई कार्रवाई नहीं करेगा।भारत (एवं कुछ अन्य देशों) के खिलाफ अपने व्यापार कानून की धारा 301 के तहत जांच फिर शुरू करने का अमेरिका का फैसला सीधे तौर पर उस विश्वास पर चोट है, जिसके आधार पर द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए वार्ता चल रही है। अमेरिका का ट्रंप प्रशासन पहले ही व्यापार के सभी मान्य कायदों को तोड़ चुका है। उसने एकतरफा टैरिफ युद्ध छेड़ कर भारत जैसे देशों पर दबाव बनाया। साफ है, उस कारण शुरू हुई व्यापार वार्ता में जो सहमतियां बनीं, वह उस पर भी कायम नहीं है। चूंकि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने मनमाना टैरिफ लगाने के राष्ट्रपति के अधिकार को संकुचित कर दिया, तो अब ट्रंप ने विभिन्न देशों को घेरने का नया हथकंडा अपनाया है। भारत सहित 60 देशों के खिलाफ उसने यह जांच शुरू की है कि क्या उन देशों से अमेरिका में होने वाले उत्पादों को तैयार करने में जबरिया मजदूरी का इस्तेमाल किया जाता है। साथ ही कुछ क्षेत्र में कथित ओवर कैपिसिटी और अति उत्पादन जैसी संभावनाओं की जांच भी शुरू की गई है। अपने कानून के तहत अपने अधिकारियों द्वारा की गई जांच में जिन देशों को दोषी पाया जाएगा, ट्रंप प्रशासन उन पर टैरिफ या प्रतिबंध लगा सकेगा। आर्थिक शब्दावली में ऐसे कदमों को गैर-व्यापार रुकावटें माना जाता है। मुक्त व्यापार के दौर में एकतरफा ढंग से डाली गई ऐसी रुकावटों का कोई तर्क नहीं हो सकता। दरअसल, डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन का रुख ऐसा है कि उसकी जुबान पर भरोसा करना लगातार कठिन होता चला गया है। वह ना तो द्विपक्षीय वार्ता के दौरान बनी सहमतियों पर कायम रहता है, और ना ही यह भरोसा किया जा सकता है कि वार्ता जारी रहने के दौरान वो कोई कार्रवाई नहीं करेगा। जबकि अंतरराष्ट्रीय सहमति, समझौते और व्यवहार में जो चीज सबसे अहम होती है, वह विश्वसनीयता ही है। इसलिए उचित होगा कि भारत अमेरिका के साथ जारी व्यापार वार्ता से बाहर निकल आए। या वार्ता जारी रखने के लिए कम-से-कम 301 जांच को खत्म करने की शर्त लगाए। भारत पहले ही अत्यधिक रियायतें दे चुका है। अब चुप रहना आत्म-सम्मान को तिलांजलि देना होगा।

-: राष्ट्रकवि भवानी प्रसाद मिश्र जयंती 29 मार्च पर विशेष :-

साहित्य के साथ स्वतंत्रता संग्राम में अपनी विशिष्ट भूमिका निभाने वाले साहित्यकार थे भवानी दादा

- नर्मदांचल ही नहीं देश के प्रसिद्ध साहित्यकारों में विशेष स्थान रहा भवानी प्रसाद मिश्र का
- प्रकृति की विविधताओं को रचनाओं में समाहित करने वाले साहित्यकार थे भवानी दादा

बलराम शर्मा,

नर्मदांचल ही नहीं देश के जाने माने साहित्यकारों में राष्ट्रकवि भवानी प्रसाद मिश्र का नाम अग्रणी पंक्ति में समाहित है। स्वतंत्रता संग्राम के अमर

प्रेहरी, गांधीवादी लोकचेतना के साथ ही हिन्दी साहित्य को एक अलग पहचान देने में भवानी दादा का विशेष योगदान रहा है। उनकी प्रसिद्ध रचना 'सतपुड़ा के घने जंगल' 'सन्नाटा', में एक अलग ही शब्दावली है। उन्होंने प्रकृति के जुड़ाव को बहुत ही अच्छे तरीके से रेंखांकित किया है। भवानी दादा के संपूर्ण काव्य संसार में प्रकृति अपनी संपूर्णता में समाहित है। दादा की रचनाओं के व्यापकता में प्रवेश से पहले यदि रचनाओं के शीर्षक की ही व्याख्या कर लें तो हर मोड़ पर प्रकृति की विविधता दृष्टव्य होती है। भवानी दादा की कविताओं में अंधेरी रात, असंदिग्ध एक उजाला, आमीन गुलाब पर ऐसा वक्त कभी ना आये, आषाढ़ का पहला दिन, चाँदनी से तरबतर, चार कौए उर्फ चार हौए, तार के खंभे, आसमान खुद, कमल के फूल, कुछ सूखे फूलों के, कोई सागर नहीं,तारों से भरा आसमान उपर, धरती का पहला प्रेमी, धुँधला है चन्द्रमा, पानी वर्षा री, बह नहीं रहे होंगे, बुनी हुई रस्सी, बूँद टपकी नभ से, यह कर्जे की चादर जितनी ओढ़ो उतनी कड़ी शीत है, सुबह हो गई, सूरज का गोला, सागर से मिलकर, हँसी आ रही है। उन्होंने जो सुरम्य चित्र अपनी कविता में खीचें हैं वह तो अलग है ही परन्तु उनकी सर्वाधिक लोकप्रिय प्रकृतिपरक रचना सतपुड़ा के जंगल, में कुछ अलग ही विशेषता है। तभी तो इसे पाठयक्रम में शामिल किया गया था। नई कविता में छायावादी प्रकृति काव्य की यह कविता है। उनकी अनेक रचनाओं पर दृष्टि डालने पर ऐसा लगता है कि वे प्राकृतिक वातावरण के ईर्द गिर्द ज्यादा रहे हैं। उनके प्रमुख विषय भी प्रकृति आधारित हैं। लेकिन वे सिर्फ प्रकृति चित्रण पर ही लिखते रहे ऐसा भी नहीं है। उन्होंने समाज,देश व परिस्थितियों को भी अच्छे से उकेरा है।

आजादी की लड़ाई में अहम भूमिका

भवानी दादा ने आजादी की लड़ाई में विशेष योगदान सशरीर और अपनी कलम के माध्यम से दिया है। आजादी की खातिर स्वयं भी अनेक बार जेल गए। जेल में कई कविताएं लिखी तृकाल संध्या में तो उन्होंने जेल में ही तीन बार कविता लिखने का रिकार्ड बनाया है। सीधी सरल भाषा में लिखने वाले भवानी दादा विरले ही कवि रहे हैं। छायावाद के गीतात्मकता और नई कविता के यर्थाथ का संयोग कर उन्होंने अपनी कविता में प्रकृति के नए-नए रंग भरे हैं। दूसरा सप्तक में संकलित बूँद टपकी एक नभ से में प्रकृति की कोमलता और उसके भाव. सौन्दर्य को देखा जा सकता है। आजादी की लड़ाई में नर्मदापुरम (होशंगाबाद) का विशेष योगदान रहा है। स्वतंत्रता संग्राम के अमर पहरी के रूप में भवानी प्रसाद मिश्र का नाम प्रमुखता से शामिल हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों से काफी प्रभावित होने के कारण गांधीवादी कवियों में भवानी प्रसाद मिश्र प्रमुख हैं। महात्मागांधी के भारतछोड़ो आंदोलन में भवानी प्रसाद मिश्र को 1942 में जेल जाना पड़ा। जहां वे 2 वर्ष 8 माह 8 दिन तक जेल में रहे। तब उनके बच्चे छोटे थे। लेकिन उन्होंने देश प्रेम को सर्वोपरी माना। जेल में भी अनेक काव्य रचनाएं की। 1945 में जेल से छूटे थे। अपने कारावास के दिनों में ही बंगला भाषा सीखकर गुरूदेव रविंद्र नाथ टैगोर की रचनाओं का अध्ययन किया। भवानी प्रसाद मिश्र ने अपने अनुभवों का प्रयोग करके जिंदगी की व्यापकता को कविता में उतार कर रखा है। अभिव्यक्ति के इस यथार्थ प्रयोग के कारण ही उनके काव्य संसार को कविता में जिंदगी और जिंदगी में कविता के रूप देखा जा सकता है। सात-सात बार मौत से लड़े वैसे ही आजादी के पहले गुलामी से लड़े और आजादी के बाद तानाशाही से भी लड़े। आपातकाल के दौरान नियम पूर्वक सुबह-दोपहर-शाम तीनों वेलाओं में उन्होंने कवितायें लिखी जिसे त्रिकाल सन्ध्या नाम दिया गया।

भवानी दादा के नाम पर हो स्कूल का नाम

भवानी दादा का नाम देश के उत्कृष्ट साहित्यकारों में आता है। उन्होंने उत्कृष्ट स्कूल जिसे उनके समय में गवर्मेट स्कूल कहा जाता था। इस स्कूल में उन्होंने अध्ययन किया है। आज भी यह शाला उत्कृष्ट विद्यार्थियों की शाला है। क्षेत्र के साहित्यकारों के द्वारा यह मांग उठती रही है कि भवानी दादा के नाम पर स्कूल का नाम होना चाहिए। ऐसा नहीं कि सिर्फ साहित्यकारों का मत है मुख्यमंत्री रह चुके दिग्विजय सिंह तो जब भवानी दादा की जयंती पर वर्ष 2003 में 29 मार्च को उत्कृष्ट स्कूल के समारोह में आए थे तब घोषणा भी की थी। उसके बाद भी विडम्बना है कि स्कूल नाम उनके नाम पर नहीं हो सका।

नगर पालिका ने किए हैं सराहनीय प्रयास

नगर पालिका के द्वारा भवानी प्रसाद मिश्र के नाम पर सराहनीय प्रयास हुए हैं। नगर पालिका के द्वारा भवानी प्रसाद मिश्र के नाम पर मीनाक्षी क्षेत्र के चौक का नामकरण भवानी प्रसाद मिश्र के नाम पर करने का प्रस्ताव पास हो चुका है। लेकिन वहां पर एक बोर्ड नपा को लगाना चाहिए था वह नहीं लगाया जा सका है। नपा का एक दूसरा अच्छा प्रयास भवानी प्रसाद मिश्र के नाम किले के पास भवानी उद्यान बनाया है। इसी किले पास बैठकर उन्होंने सन्नाटा नामक कविता की रचना की थी। उनके नाम से स्कूल का नाम करने में कोई खर्च तो होना नहीं था। सभी को अच्छा भी लगता। नगर पालका का एक और प्रयास अच्छा रहा कि नगर पालिका कार्यालय के सामने रेलवे स्टेशन से लेकर सतरस्ता जाने वाले मार्ग का नाम भी भवानी प्रसाद मिश्र के नाम पर किया गया है। जिसका बाकायदा एक बोर्ड भी नगर पालिका के द्वारा रेलवे गेट के पास लगाया गया है।

गांव का नाम हो भवानीपुरम,पंचायतों में हुआ है प्रस्ताव पास

जिला पंचायत की 29 अक्टूबर 2025 की बैठक में प्रस्ताव पास करते हुए जनप्रतिनिधि और अधिकारी। फाइल फोटो।

भवानी दादा का जन्म नर्मदापुरम जिले के नर्मदा तट स्थित टिगरिया (खरखेड़ी) ग्राम में हुआ है। इस संबंध में ग्राम पंचायत के माध्यम से जनपद पंचायत में प्रस्ताव जाने के बाद 29 अक्टूबर 2025 में जिला पंचायत में भी प्रस्ताव रखा गया था। जिसमें गांव का नाम भवानीपुरम करने की सहमति बन चुकी थी। उसके बाद शासन स्तर से स्वीकृति होना है। गांव के नामकरण को लेकर पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि राहुल गौर तथा जनपद पंचायत के अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे ने विशेष प्रयास किए हैं। जब अनेक शहरों के नाम बदला चुके हैं तो फिर भवानी दादा के गांव का नाम क्यों नहीं। इसके साथ ही गांव वालों की मांग है कि गांव में दादा के नाम पर शासन स्तर से एक विशेष स्मारक बनाया जाए।

मंडल की राजनीति पर पूर्णविराम का संकेत

हरिशंकर व्यास

बिहार से नीतीश कुमार की विदाई सिर्फ एक व्यक्ति की राजनीति का अंत नहीं है। न ही एक पार्टी की राजनीति के कमजोर होने का संकेत है। यह मंडल की राजनीति पर पूर्णविराम का संकेत है। एक एक करके वैसे भी मंडल की राजनीति करने वाले नेता राजनीतिक परिदृश्य से लुप्त हैं। मुलायम सिंह यादव, शरद यादव और रामविलास पासवान का निधन हो गया है, जबकि लालू प्रसाद यादव चुनाव लड़ने के अयोग्य ठहराए जा चुके हैं। अब वे सक्रिय राजनीति करने में भी शारीरिक रूप से सक्षम नहीं हैं। मंडल राजनीति की आखिरी बड़े नेता नीतीश कुमार हैं, जिनका रिटायरमेंट प्लान भाजपा ने तैयार कर दिया है। सोचें, जिस नीतीश कुमार ने जीवन भर मुख्यमंत्री बने रहने की राजनीति की और तमाम किस्म के गठबंधन बदल दिए उनको कहना पड़ा है कि वे एक बार राज्यसभा जाकर देखना चाहते थे। ध्यान रहे नीतीश ने कई बार सहयोगी बदले। गठबंधन की पार्टियां बदलीं लेकिन मुख्यमंत्री बने रहे। करीब 20 साल मुख्यमंत्री रहने के बाद अब वे राज्यसभा जा रहे हैं। नीतीश कुमार का राज्यसभा जाना या मुख्यमंत्री पद छोड़ना अपने आप में मंडल की राजनीति पर पूर्णविराम नहीं है। असली बात यह है कि उनके हाथ से बिहार की कमान निकल रही है। बिहार की राजनीति अब पूरी तरह से भारतीय जनता पार्टी के हाथ में जा रही है। भाजपा का मुख्यमंत्री बनेगा और बिहार की राजनीति लगभग पूरी तरह से दो ध्रुवीय हो जाएगी। नीतीश की पार्टी रहेगी लेकिन वह भाजपा पर निर्भर होगी। दूसरी ओर तेजस्वी यादव के नेतृत्व में राजद होगा, जिसके साथ कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टियों का गठबंधन है। सो, मंडल की राजनीति पर पूर्णविराम के साथ साथ कह सकते हैं कि बिहार में बहुध्रुवीय राजनीति अब ज्यादा केंद्रीकृत होगी। भाजपा के मजबूत होने और राजनीति की केंद्रीय ताकत बनने से उसके साथ वाली बाकी पार्टियों की हैसियत कमजोर होगी, चाहे वह पार्टी चिराग पासवान की हो या उपेंद्र कुशवाहा की या जीतन राम मांझी की हो। तह सकते है कि आखिर नरेंद्र मोदी की सरकार भी चारों तरफ आरक्षण बढ़ा रही है, अलग अलग क्षेत्रों में नए आरक्षण दे रही है, जाति जनगणना कराने जा रही है, उच्च शिक्षण संस्थानों में भेदभाव खत्म करने के नाम पर सामाजिक विद्वेष फैलाने वाली यूजीसी की नियमावली जारी करती है तो फिर कैसे यह राजनीति मंडल से अलग है? यह मंडल से इसलिए अलग है क्योंकि यह कांग्रेस और दूसरी प्रादेशिक पार्टियों की राजनीति की प्रतिक्रिया है और दूसरे इसमें अंतर्निहित तत्व कमंडल यानी धर्म की राजनीति का है। भाजपा का मकसद किसी न किसी रूप में पैन इंडिया हिंदू यूनिटी बनाने की है। पूरे भारत में हिंदू एकता बनाने के लिए भाजपा को जहां जो दांव चलना होता है वह चलती है। कहीं ईडब्लुएस का आरक्षण देकर अगड़ी जातियों को खुश करती है तो कहीं यूजीसी की नियमावली से पिछड़ी जातियों को संदेश देती है। यह एक अलग विश्लेषण का विषय है।भाजपा बिहार में और पूरे देश में मंडल की राजनीति को कमंडल से रिप्लेस करना चाहती है। इसके लिए उसने धीरे धीरे मंडल और कमंडल को मिलाना शुरू कर दिया। मोदी ने यह माहौल बनाया कि कमंडल ही मंडल है। व्यापक हिंदू पहचान पर जोर दिया गया और यह स्थापित करने का प्रयास किया गया कि धर्मध्वजा उठाए हुए व्यक्ति की जाति क्या है यह महत्वपूर्ण नहीं है। वह कोई भी हो सकता है। असम से लेकर उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड, राजस्थान से लेकर महाराष्ट्र तक भाजपा ने बड़े राज्यों में सवर्ण मुख्यमंत्री बनाए हैं। लेकिन सोशल मीडिया में सवर्ण इकोसिस्टम के लोग आक्रामक तरीके से सरकार पर हमला कर रहे हैं और यूजीसी के नियमों के हवाले से केंद्र की मोदी सरकार को अगड़ा विरोधी बता रहे हैं। यह भी अंतत: मोदी के लिए फायदे वाला ही साबित होगा। क्योंकि यूजीसी की नियमावली सिर्फ नैरेटिव बनाने के लिए लाई गई थी। सरकार का काम सवर्ण लोग सोशल मीडिया में कर रहे हैं। इसे लेकर नरेंद्र मोदी और धर्मेंद्र प्रधान पर जितना हमला हो रहा है, पिछड़ी और दलित जातियों का उतना ही ध्रुवीकरण उनके पक्ष में हो रहा है। बहरहाल, जाति और खास कर पिछड़ी जातियों की गोलबंदी के साथ साथ मंडल की राजनीति का एक बुनियादी तत्व यह है कि उसके नेता सेकुलर प्रैक्टिस करते हैं।

आर्थिक बोझ के नाम पर अधिकार नहीं छीन सकते, न्यायसंगत मुआवजे की संवैधानिक गारंटी

- कांतिलाल मांडोत

देश की सर्वोच्च न्याय व्यवस्था ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि विकास योजनाओं और सार्वजनिक परियोजनाओं के नाम पर नागरिकों के मौलिक अधिकारों को कमजोर नहीं किया जा सकता। जब भी किसी नागरिक की भूमि अधिग्रहित की जाती है, तो उसके बदले उसे न्यायसंगत मुआवजा देना केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि संवैधानिक दायित्व है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया निर्णय इसी सिद्धांत को मजबूत करता है, जिसमें यह साफ कहा गया कि केवल वित्तीय बोझ का हवाला देकर मुआवजे के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता।

यह मामला राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण से जुड़ा था, जिसमें भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने यह दलील दी थी कि मुआवजे और ब्याज का भुगतान करने से उस पर अत्यधिक आर्थिक भार पड़ेगा। इस आधार पर उसने पूर्व के निर्णय पर पुनर्विचार की मांग की। किंतु न्यायालय ने इस तर्क को अस्वीकार करते हुए कहा कि आर्थिक बोझ का आकलन किसी भी स्थिति में न्यायसंगत मुआवजे की संवैधानिक गारंटी को कमजोर करने का आधार नहीं बन सकता।

न्यायालय की पीठ ने अपने निर्णय में यह रेखांकित किया कि जब राज्य या उसकी एजेंसियां किसी व्यक्ति की संपत्ति का अधिग्रहण करती हैं, तो वह व्यक्ति केवल अपनी भूमि ही नहीं खोता, बल्कि उसके साथ जुड़ी आजीविका, सामाजिक सुरक्षा और भविष्य की संभावनाएं भी प्रभावित होती हैं। ऐसे में मुआवजा केवल जमीन के मूल्य का भुगतान नहीं, बल्कि एक व्यापक न्यायिक प्रतिपूर्ति होती है, जिसमें ब्याज भी शामिल होता है ताकि देरी से होने वाले नुकसान की भरपाई हो सके।इस निर्णय का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि न्यायालय ने यह स्पष्ट किया कि भूमि अधिग्रहण के मामलों में सभी भू-स्वामियों को समान दृष्टि से देखा जाना चाहिए। कुछ मामलों में भू-स्वामियों ने न्यायालय या मध्यस्थता की प्रक्रिया का सहारा लेकर अधिक मुआवजा प्राप्त किया है, जबकि अन्य मामलों में अंतिम निर्णय हो चुका है।

मेष राशि: आज आप पिता का कोई जरूरी काम पूरा करायेंगे। जीवनसाथी के साथ रिश्तों में और मधुरता बढ़ेगी। आज आपके मन में नए-नए विचार आयेंगे, लेकिन आपको अपने मन को नियंत्रित करना होगा। किसी के साथ बहसबाज़ी में ना पड़े। वैवाहिक जीवन को बेहतर बनाने के लिए किसी भी तरह की गलतफ़हमी ना पालें।

वृष राशि: आज नवरात्र के नौवें दिन भगवान श्रीराम की कृपा आप पर बनी रहेगी। आज आप सभी कार्यों में बहुत हद तक सफल रहेंगे। इस राशि की महिलाओं को आज के दिन कोई खुशखबरी मिलेगी। आज आपका आर्थिक पक्ष पहले की अपेक्षा और भी बेहतर होगा। आपको माता-पिता का सहयोग मिलेगा जिससे आप जीवन में आगे बढ़ने में सक्षम होंगे।

मिथुन राशि: आज प्रॉपर्टी लेने का मन बनायेंगे। कोई रूका हुआ काम पूरा होने से आपको खुशी मिलेगी। शाम तक आपको कोई शुभ समाचार प्राप्त होगा, जिससे घर का माहौल खुशियों से भर जायेगा। आसपास के लोग आपके व्यक्तित्व से प्रसन्न होंगे। आज आप ताजगी से परिपूर्ण रहेंगे। दाम्पत्य जीवन में नयी-नयी खुशियाँ आयेंगी।

कर्क राशि: घर के सहयोग से आप हर चीज़ को अच्छे से संभालने में सफल होंगे। आज आप किसी बात को लेकर विचारों में खोए रहेंगे। आज नए लोगों से आपकी मुलाकात होगी, जो आगे चलकर आपके व्यापार में धन लाभ करायेंगे। घर पर किसी पार्टी के आयोजन का प्लान बनायेंगे। आज नवरात्रि के नौवें दिन घर में किसी धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन करने का मन बनायेंगे।

सिंह राशि: आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आपको कुछ जरूरी कार्यों में दोस्तों की मदद मिलेगी। कई दिनों से अटका हुआ पैसा आज आपको वापस मिलेगा। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर परिणाम लेकर आया है। पहले दी हुई किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति में स्थिरता बनी रहेगी। परिवार में सुखद वातावरण का माहौल रहेगा।

कन्या राशि: आपको अपनी कार्य कुशलता में बढ़ोतरी करने की जरूरत है। आज लोगों के बीच आपके काम की तारीफ होगी। वहीं आर्थिक लाभ पाने के लिए आज आपको थोड़ी ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। आप किसी नए कार्य को लेकर योजना बनायेंगे। आज वाहन चलाते समय सावधानी ज़रूर बरतें। किसी मामले पर आपको बातचीत करते समय अपनी वाणी पर संयम बरतना चाहिए। व्यापार में अच्छा धन लाभ होने के योग बने हुये है।

तुला राशि: आज बच्चों के किसी काम में आपके पैसे खर्च होंगे। आपके व्यवहार से कुछ लोग आज काफी प्रभावित होंगे। लोगों से आपको काम में मदद मिलेगी। आपसी विश्वास के सहारे आपके रिश्तों में मजबूती आयेगी। आपकी कोई खास इच्छा जो काफी समय से अधूरी थी वो आज पूरी होगी। ऑफिस में अधिकारियों से मिला सहयोग आपके उत्साह में इजाफ़ा करेगा।

वृश्चिक राशि: अगर आप किसी से अपने दिल की बात कहना चाहते हैं, तो आज का दिन आपके लिये बहुत ही अच्छा रहने वाला है। ऑफिस में आपके काम की तारीफ होगी। इससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। पारिवारिक रिश्ते आज और बेहतर होंगे। कलात्मक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। किसी नए प्रोजेक्ट को शुरू करने से पहले मित्रों से सलाह करेंगे। आज पूरे दिन आपका मन पूजा पाठ में लगा रहेगा।

धनु राशि: आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज आपके परफॉरमेंस से लोग प्रभावित होंगे। व्यवसाय में आपको फायदा हो सकता है। ऑफिस में किसी जरुरी काम को पूरा करने के लिए किसी सहकर्मी की मदद मिलेगी और आपको कार्य में सफलता भी हासिल होगी। आज किसी से भी बेवजह उलझने से बचें।

मकर राशि: आज आप अपने जीवनासाथी से बिजनेस की कोई बात शेयर करेंगे। पारिवारिक काम को पूरा करने में घर के सभी सदस्यों का सहयोग प्राप्त होगा। आज आपके सहपाठी किसी प्रश्न को समझने के लिए आपसे मदद लेंगे। इस राशि के छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। सेहत के लिहाज से आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है।

कुंभ राशि: आज आप कोई नया बिजनेस शुरू करने के बारे में सोचेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आज आपके भाग्य के सितारे बुलंद होंगे। आज आपके सभी कार्य सिद्ध होंगे और आपका दिन शानदार रहेगा। नवविवाहित दंपत्ति के रिश्तें में मिठास बढ़ेगी।

मीन राशि: आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। जीवनसाथी के साथ आपके रिश्ते मजबूत होंगे। किसी काम में की गई मेहनत आज रंग लायेगी। करियर के लिए आज का दिन फेवरेबल रहेगा। ऑफिस में अधूरे पड़े कार्य आज पूरे हो जाएंगे, काम में सीनियर्स का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। वहीं अगर बिजनेस करते हैं तो आज धन लाभ होने की संभावना है। सरकारी संस्थान से जुड़े लोगों का दिन शानदार रहेगा।

सत्ता बदलने के लक्ष्य से हमला

अजीत द्विवेदी

पुरानी कहावत है कि 'चुनाव से पहले, युद्ध के दौरान और शिकार के बाद सबसे ज्यादा झूठ बोले जाते हैं'। सो, ईरान में युद्ध चल रहा है और झूठ की चौतरफा बौछार हो रही है। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने पेंटागन में प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि युद्ध अमेरिका ने शुरू नहीं किया लेकिन इसे खत्म अमेरिका करेगा। हालांकि सारी दुनिया ने देखा कि अमेरिका और इजराइल ने दिन दहाड़े हमले की शुरुआत की और एक संप्रभु देश के सर्वोच्च नेता को मार डाला। दूसरी ओर अमेरिका से ही एक रिपोर्ट आई है, जिसमें कहा गया है कि पेंटागन ने कांग्रेस की समिति के सामने कहा है कि उनके पास कोई खुफिया सूचना नहीं थी कि ईरान हमला करने जा रहा है। इसका अर्थ है कि कांग्रेस के सामने पेंटागन की ओर से कुछ और कहा जा रहा है और पेंटागन के प्रमुख मीडिया के सामने कुछ और कह रहे हैं!

इसी तरह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अभी तो हमला शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि अमेरिका अभी सबसे बड़ा हमला करेगा और उधर पेंटागन से खबर है कि वहां के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ से लेकर तमाम रक्षा जानकार इस बात की चिंता में हैं कि अमेरिका के मिसाइल और हथियारों का भंडार तेजी से खत्म होता जा रहा है। अमेरिकी रक्षा क्षेत्र में यह चिंता इसलिए है क्योंकि जितनी तेजी से मिसाइल और दूसरे हथियार खर्च हो रहे हैं उतनी तेजी से उन्हें बनाया नहीं जा सकता है। इस चिंता का एक पहलू यह भी है कि अगर युद्ध का कोई नया मोर्चा खुला या उत्तर कोरिया और चीन की ओर से कुछ हुआ, जिसका जवाब अमेरिका को देना पड़े तो क्या होगा? लेकिन ट्रंप सबसे बड़े हमले की बात कर रहे हैं।

ऐसे ही राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि जरुरत पड़ी तो वे अमेरिकी सेना को ईरान की जमीन पर उतारेंगे। उन्होंने कहा कि वे पिछले राष्ट्रपतियों की तरह नहीं हैं, जिन्होंने हमेशा जमीनी सेना उतारने से इनकार किया। ट्रंप ने यह ऐसी बात कही है, जिस पर किसी को यकीन नहीं होगा। ईरान में जमीनी सैनिक उतारना अमेरिका के लिए बहुत मुश्किल वाला फैसला होगा। इसका कारण यह है कि ईरान में उसके पास कोई जमीनी सपोर्ट सिस्टम नहीं है। दूसरे, ईरान के पास 11 लाख से ज्यादा की संख्या वाली बहुत व्यवस्थित सेना है, जिसमें दो लाख आईआरजीसी के प्रशिक्षित कमांडो जैसे सैनिक हैं। तीसरे, ईरान नौ करोड़ से ज्यादा आबादी वाला देश है। चौथे, उसकी भोगोलिक सीमाएं बहुत विशाल हैं।

वह इजराइल से 70 गुना बड़े क्षेत्रफल वाला देश है। पांचवें, ईरान में लंबी लंबी पहाड़ों की श्रृंखलाएं हैं और दुर्गम क्षेत्र बहुत बड़ा है। सोचें, गाजा जैसे छोटे से इलाके में दो साल से युद्ध चल रहा है, जिसमें 70 हजार लोग मारे गए हैं फिर भी इजराइल जीत नहीं पाया है, जबकि गाजा एक ऐसा जमीन का टुकड़ा है, जो इजराइल और मेडिटेरेनियन समुद्र के बीच दबा हुआ है। जब वहां दो साल से लड़ाई खत्म नहीं हो रही है तो ईरान जैसे विशाल और बड़ी आबादी वाले देश में कैसे अमेरिका जमीन पर सैनिक उतारेगा? सो, ऐसा लग रहा है कि यह झूठ भी ईरान की फौज को डराने और लोगों को बगावत के लिए उकसाने के मकसद से बोला गया है।

बहरहाल, यह इतिहास का संभवत: पहला युद्ध होगा, जो वार्ता विफल होने की वजह से नहीं, बल्कि वार्ता सफल होने की वजह से लड़ा जा रहा है। ईरान और अमेरिका की वार्ता में मध्यस्थता कर रहे ओमान के विदेश मंत्री बदर बिन हमाद अल बुसैदी ने 28 फरवरी को कहा कि दोनों देशों के बीच वार्ता अंतिम दौर में है और समझौते का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ईरान यह गारंटी देने को तैयार हो गया है कि वह कभी भी परमाणु बम नहीं बनाएगा। साथ ही वह इस बात के लिए भी तैयार हो गया है कि इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी यानी आईएईए की टीम उसके परमाणु ठिकानों का दौरा करके जांच कर ले। लेकिन बुसैदी के यह कहने के तुरंत बाद अमेरिका और इजराइल ने साझा हमला शुरू कर दिया। याद करें इसी तरह पिछले साल जून में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को 14 दिन का समय दिया था और तीसरे ही दिन हमला शुरू कर दिया था।

फरवरी 2026 के हमले में गोलपोस्ट कैसे बदल रहा है यह देखना भी बहुत दिलचस्प है। पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि ईरान के परमाणु ठिकानों को नष्ट करने के लिए हमला हुआ है। हालांकि यहां भी सवाल उठता है कि जब जून 2025 के हमलों के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि ईरान के परमाणु संयंत्रों को 'ओबलिटेरेट' कर दिया गया यानी नामोनिशान मिटा दिया गया तब फिर आठ महीने में ही परमाणु संयंत्र कैसे काम करने लगे। बहरहाल, युद्ध शुरू होने के बाद ट्रंप ने कहा कि इस्लामिक क्रांति के बाद बनी इस्लामिक रिपब्लिक की सत्ता बदलने के लक्ष्य से हमला किया गया है। यानी परमाणु ठिकानों को खत्म करना लक्ष्य नहीं है, बल्कि सत्ता बदलना लक्ष्य है।

अब पहला सवाल है कि सत्ता क्यों बदलनी है? इसका सीधा जवाब है कि अमेरिका को पश्चिम एशिया की भू राजनीतिक स्थितियों को हमेशा के लिए बदल देना है। उसे स्थिर सत्ता और सैन्य ताकत वाले इकलौते मजबूत देश ईरान को समाप्त करना है। सद्दाम हुसैन का इराक खत्म हो गया, गद्दाफी का लीबिया और असद का सीरिया भी समाप्त हो गया। अगर ईरान की इस्लामिक रिपब्लिक की सत्ता समाप्त हो जाती है तो पूरे पश्चिम एशिया में इजराइल इकलौती महाशक्ति बचेगा। ध्यान रहे अमेरिका ने पश्चिम एशिया के बाकी देशों का आर्थिक हित या तो अपने साथ जोड़ लिया है या इजराइल से जुड़वा दिया। सो, यह युद्ध एक बड़े लक्ष्य के लिए है, जिसे निश्चित रूप से इजराइल ने तय किया है।

अब दूसरा सवाल है कि सत्ता कैसे बदलेगी? हवाई हमले में नेताओं को और कुछ सैनिक कमांडरों को मारा जा सकता है या इमारतें ध्वस्त की जा सकती हैं। सत्ता परिवर्तन तो उससे नहीं हो सकता है। सत्ता परिवर्तन के दो मॉडल हैं। या तो अमेरिका जमीनी फौज उतारे और ईरान के तमाम फौजी कमांडरों, गार्जियन कौंसिल के सदस्यों और धर्मगुरुओं को मार डाले या उनको बंधक बना कर वहां अपने समर्थन वाले किसी व्यक्ति को गद्दी पर बैठाए। इराक में उसने ऐसा किया था। दूसरा मॉडल लीबिया और सीरिया वाला है।

K K

राष्ट्रीय समाचार

रविवार 29 मार्च 2026,सीहोर

दैनिक क्षितिज किरण 5

140 लाख मीट्रिक टन गेहूं तैयार, मशीनों के लिए ईंधन नहीं, सीएम मान बोले- केंद्र तुरंत करे कार्रवाई

चंडीगढ़ (ए.)। पंजाब में गेहूं की कटाई का सीजन शुरू होने वाला है और इस बार राज्य में 140 लाख मीट्रिक टन गेहूं के बंपर उत्पादन की उम्मीद है. इसी को देखते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने केंद्र सरकार को चिट्ठी लिखकर और प्रधानमंत्री के साथ बैठक कर पेट्रोल, डीजल और डीएपी (DAP) खाद की निर्बाध सप्लाई सुनिश्चित करने की मांग की है. मान ने चेतावनी दी है कि अगर तेल की सप्लाई में कोई रुकावट आई, तो इसका सीधा असर देश की खाद्य सुरक्षा पर पड़ सकता है. मुख्यमंत्री ने जनता को भरोसा देते हुए कहा कि घबराने की बिल्कुल जरूरत नहीं है. राज्य में इस वक्त 12 से 14 दिनों का पेट्रोल-डीजल और करीब 6 दिनों का गैस (LPG) स्टॉक मौजूद है, जो कि पूरे साल के सामान्य स्टॉक जितना ही है. सप्लाई भी लगातार जारी है. उन्होंने बताया कि भारत के 41 देशों के साथ समझौते हैं और देश के पास पहले से ही 60 दिनों का तेल और 30 दिनों का गैस स्टॉक सुरक्षित है. इस दौरान, भगवंत मान ने आंकड़ों के जरिए जनता को भरोसा दिलाया कि घबराने की कोई बात नहीं है. उन्होंने बताया कि गुरुवार तक राज्य में एलपीजी रिफिल के लिए 71 हजार आवेदन आए थे, जिनमें से 69 हजार की डिलीवरी पहले ही की जा चुकी है. भगवंत मान ने अफवाहों पर विराम लगाते हुए कहा कि पंजाब में किसी भी तरह के लॉकडाउन की कोई संभावना नहीं है, जनता बेफिक्र रहे. वहीं, जमाखोरों पर लगाम लगाने के लिए मान सरकार पूरी तरह एक्शन मोड में है. अब तक करीब 1,500 जगहों पर छापेमारी कर 301 अवैध गैस सिलेंडर जब्त किए जा चुके हैं. उन्होंने भरोसा दिलाया कि खेती या उद्योगों के लिए तेल और खाद की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी. किसी भी तरह की परेशानी होने पर जनता हेल्पलाइन नंबर 0172-3321001 पर तुरंत शिकायत दर्ज करा सकती है शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई वर्चुअल बैठक का जिक्र करते हुए भगवंत मान ने कहा कि उन्होंने केंद्र से डीएपी खाद की सप्लाई को प्राथमिकता देने को कहा है, क्योंकि 1 जून से धान की बुवाई शुरू होनी है. सीएम मान ने प्रधानमंत्री को सुझाव दिया कि कूटनीतिक रास्तों का इस्तेमाल कर तेल और खाद की आत्मनिर्भरता सुनिश्चित की जाए. उन्होंने यह भी मांग उठाई कि ग्रामीण इलाकों में एलपीजी रिफिल का समय 45 दिन से घटाकर शहरों की तरह 25 दिन किया जाए. मुख्यमंत्री ने गर्व से कहा कि पंजाब हमेशा की तरह देश की जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार है।

कमर्शियल एलपीजी पर केंद्र सरकार की बड़ी राहत, कोटा 50प्रतिशत से बढ़ाकर किया 70प्रतिशत; इन बड़े उद्योगों की चमकेगी किस्मत

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने कमर्शियल एलपीजी (LPG) गैस के मोर्चे पर देश के बड़े उद्योगों को एक बहुत बड़ी राहत दी है। औद्योगिक गतिविधियों को रफ्तार देने के मकसद से सरकार ने कमर्शियल एलपीजी गैस के कोटे में भारी इजाफा करते हुए इसे 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 70 प्रतिशत कर दिया है। इस बड़े फैसले से मुख्य रूप से स्टील, ऑटोमोबाइल और टेक्सटाइल जैसे श्रम-गहन (लेबर इंटेंसिव) उद्योगों को सीधा और बड़ा फायदा पहुंचने वाला है। इस संबंध में पेट्रोलियम मंत्रालय की तरफ से सभी राज्यों को दिशा-निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। इस अहम फैसले को तुरंत प्रभाव से लागू करने के लिए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव डॉ. नीरज मित्तल ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को एक विस्तृत पत्र लिखा है। इस पत्र में स्पष्ट किया गया है कि पहले से मिल रहे 50 प्रतिशत आवंटन के अलावा अब 20 प्रतिशत अतिरिक्त कोटा प्रस्तावित किया गया है। इसके लागू होने से पैक्ड नॉन-डोमेस्टिक एलपीजी का कुल कमर्शियल आवंटन अब संकट से पहले के स्तर का 70 प्रतिशत हो जाएगा। सरकार का यह कदम राज्यों में औद्योगिक कार्यों को बिना किसी रुकावट के चलाने में संजीवनी का काम करेगा।

ईरान-इजरायल युद्ध को लेकर मोदी सरकार का अहम कदम, राजनाथ सिंह की अगुवाई में बनी स्पेशल टास्क फोर्स

नई दिल्ली (आरएनएस)। मिडिल ईस्ट में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच भड़के भीषण तनाव ने अब पूरी दुनिया की धड़कनें बढ़ा दी हैं। युद्ध की इस आंच से भारत की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा को महफूज रखने के लिए केंद्र की मोदी सरकार ने एक अहम कदम उठाया है। वैश्विक हालातों की गंभीरता को देखते हुए सरकार ने मिडिल ईस्ट संकट से पैदा होने वाले तमाम मुद्दों पर पैनी नजर रखने और उनका त्वरित समाधान निकालने के लिए एक उच्च स्तरीय 'इंटर-मिनिस्ट्रियल ग्रुप' (अंतर-मंत्रालयी समूह) का गठन कर दिया है।

राजनाथ सिंह करेंगे अगुवाई, शाह और सीतारमण भी शामिल

देश की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था को किसी भी संभावित झटके से बचाने के लिए बनाए गए इस बेहद खास ग्रुप की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह खुद करेंगे। इस अहम समिति में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी समेत अन्य संबंधित विभागों के दिग्गज मंत्रियों को भी सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। यह ग्रुप मुख्य रूप से इस बात पर अपनी नजर बनाए रखेगा कि मिडिल ईस्ट में छिड़े इस महायुद्ध का भारत की ऊर्जा सुरक्षा, तेल-गैस की आपूर्ति और देश की समग्र आर्थिक स्थिरता पर क्या और कितना प्रभाव पड़ रहा है।

कच्चे तेल की सप्लाई पर मंडरा रहा खतरा, सरकार पूरी तरह अलर्ट

भारत सरकार के लिए यह त्वरित कदम उठाना इसलिए भी बेहद जरूरी हो गया था क्योंकि देश अपनी जरूरत का लगभग 88 प्रतिशत कच्चा तेल और आधी से ज्यादा प्राकृतिक गैस का आयात होर्मुज जलडमरूमध्य (Strait of Hormuz) के रास्ते ही करता है। हालिया हमलों के बाद इस संवेदनशील समुद्री क्षेत्र में तनाव अपने चरम पर है, जिसके चलते तेल टैंकरों की सुरक्षित आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हुई है और वैश्विक ऊर्जा संकट गहराने का डर सता रहा है। ऐसे में यह नया ग्रुप पूरी तरह से एक्टिव रहकर यह सुनिश्चित करेगा कि अंतरराष्ट्रीय तनाव के चलते भारत में ईंधन की कीमतों में अचानक कोई बड़ा उछाल न आए और देश में किसी भी तरह की पैनिक स्थिति पैदा न हो।

हवा में अटकीं 161 यात्रियों की सांसें, दिल्ली में इंडिगो फ्लाईट की इमरजेंसी लैंडिंग, बड़ा हादसा टला

नई दिल्ली (ए.)। शनिवार को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर विशाखापत्तनम से आ रही इंडिगो की एक फ्लाइट के इंजन में खराबी की आशंका के चलते पूर्ण आपातकाल घोषित कर दिया गया। पूर्ण आपातकाल के अलावा, हवाई अड्डे के रनवे 28 को हाई अलर्ट पर रखा गया और हवाई अड्डे के अधिकारियों ने तुरंत आपातकालीन प्रोटोकॉल लागू कर दिए। हालांकि, 161 यात्रियों को लेकर विशाखापत्तनम से दिल्ली जा रही फ्लाइट ने सुबह करीब 11 बजे सुरक्षित लैंडिंग कर ली और सभी यात्रियों को सुरक्षित निकाल लिया गया। ताज़ा खबरों के अनुसार, आपातकालीन लैंडिंग की सूचना सुबह 10:53 बजे मिली, जिसके बाद सभी एजेंसियों को अलर्ट पर रखा गया और दमकल गाड़ियां भी मौके पर भेजी गईं। एयरलाइंस के बयान के अनुसार, इंडिगो के प्रवक्ता ने बताया कि विमान के उतरने से ठीक पहले एक तकनीकी खराबी का पता चला, जिसके कारण प्राथमिकता के आधार पर लैंडिंग करनी पड़ी। प्रवक्ता ने कहा कि एहतियाती कदम के तौर पर और मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार, पायलटों ने प्राथमिकता के आधार पर लैंडिंग का अनुरोध किया और विमान दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित रूप से उतर गया। इसी महीने की शुरुआत में, हैदराबाद से फुकेत जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की एक नियमित उड़ान के हार्ड लैंडिंग के बाद उसके आगे के पहिये टूट गए थे। विमान फुकेत हवाई अड्डे के रनवे पर घंटों तक फंसा रहा, जिसके कारण हवाई अड्डे का कामकाज अस्थायी रूप से रोकना पड़ा।

संसद से पास हुआ फाइनेंस बिल 2026, बजट प्रस्तावों को मिली कानूनी मंजूरी

नई दिल्ली (आरएनएस)। संसद ने फाइनेंस बिल 2026 को मंजूरी दे दी। राज्यसभा ने इसे ध्वनि मत (वॉइस वोट) से लोकसभा को वापस भेज दिया, जिससे केंद्रीय बजट 2026-27 के प्रस्तावों को कानूनी समर्थन प्रदान करने की विधायी प्रक्रिया पूरी हो गई, जो 1 अप्रैल से शुरू होने वाले नए वित्तीय वर्ष में लागू होंगे। लोकसभा ने 25 मार्च को इस बिल को 32 संशोधनों के साथ पास किया था। इसके बाद राज्यसभा में इस पर संक्षिप्त चर्चा हुई और सांसदों के सवालों पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जवाब दिया, जिसके बाद बिल को मंजूरी दे दी गई।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के कोलकाता में टीएमसी सरकार के खिलाफ एक चार्जशीट जारी की। इस मौके पर पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी, राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार और प्रदेश पार्टी अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य भी मौजूद रहे।

आंध्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष वाईएस शर्मिला ने अमरावती को राजधानी बनाने के विधानसभा प्रस्ताव का स्वागत किया

केंद्र सरकार से वित्तीय प्रतिबद्धता की कमी पर सवाल उठाए

नई दिल्ली (ए.)। आंध्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष वाईएस शर्मिला ने अमरावती को राजधानी बनाने के विधानसभा प्रस्ताव का स्वागत किया, लेकिन केंद्र सरकार से वित्तीय प्रतिबद्धता की कमी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू से पूछा कि क्या आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम के तहत धन की मांग किए बिना केवल कानूनी बदलाव से अमरावती का निर्माण संभव है। आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष वाईएस शर्मिला रेड्डी ने अमरावती को राज्य की राजधानी का वैधानिक दर्जा देने वाले विधानसभा प्रस्ताव का समर्थन किया, लेकिन स्पष्ट वित्तीय प्रतिबद्धताओं के अभाव और आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम के तहत केंद्र के दायित्वों पर चिंता व्यक्त की। शर्मिला ने 28 मार्च, 2026 को ङ्क पर एक विस्तृत पोस्ट में लिखा कि अमरावती की वैधानिक वैधता की पुष्टि करने वाला विधानसभा प्रस्ताव वास्तव में स्वागत योग्य है। केंद्र से धारा 5 में संशोधन का अनुरोध करना भी एक उचित कदम है। उन्होंने धारा 94(3) के तहत निधि प्राप्त करने में इसी तरह की तत्परता के अभाव पर सवाल उठाया, जो केंद्र को राजधानी के निर्माण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने का आदेश देती है।

खुद को बताता था 'महादेव' महिलाओं को हवस का शिकार बनाने वाला एक और ढोंगी गिरफ्तार

पुणे (आरएनएस)। महाराष्ट्र में आस्था के नाम पर एक और घिनौना खेल सामने आया है। खुद को भगवान शिव का अवतार बताकर भोली-भाली महिलाओं को अपनी हवस का शिकार बनाने वाले एक 40 वर्षीय ढोंगी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पालघर जिले के रहने वाले आरोपी ऋषिकेश वैद्य ने एक 34 वर्षीय महिला को अपनी 'पार्वती' बताकर उसके साथ दुष्कर्म किया। यह पाखंडी सोशल मीडिया के जरिए महिलाओं को अपने जाल में फंसाता था और फिर उनकी धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर उनका शारीरिक शोषण करता था।

फेसबुक की दोस्ती से शुरू हुआ खेल

इस रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना की शुरुआत साल 2023 में फेसबुक पर हुई एक दोस्ती से हुई थी। पुलिस के मुताबिक, दिसंबर 2023 में आरोपी ऋषिकेश वैद्य पुणे आया और उसने खुद को 'महादेव' बताकर पीड़िता को अपने झांसे में ले लिया। उसने पुणे के मांजरी इलाके में स्थित एक लॉज में महिला को कोई नशीला पदार्थ खिलाकर सुन्न कर दिया और उसके साथ रेप किया। इस दौरान दरिंदे ने महिला की कुछ आपत्तिजनक तस्वीरें भी खींच लीं। इन्हीं तस्वीरों के जरिए वह पीड़िता को लगातार ब्लैकमेल करता रहा और फिर मई 2024 में वसई के एक होटल में भी उसने दोबारा यौन शोषण का प्रयास किया। हैरान करने वाली बात यह है कि आरोपी पालघर में एक सामाजिक संगठन भी चलाता है, जिसकी आड़ में वह यह काला कारोबार कर रहा था।

दूसरे ढोंगी बाबा की गिरफ्तारी से मिली हिम्मत

लगातार मिल रही धमकियों और ब्लैकमेलिंग के कारण पुणे की रहने वाली यह पीड़िता लंबे समय तक खौफ के साए में घुट-घुट कर जी रही थी। लेकिन हाल ही में जब नासिक में एक अन्य स्वयंभू भगवान अशोक खरात को महिलाओं के शोषण के आरोप में गिरफ्तार किया गया, तो पीड़िता को भी इस दरिंदे के खिलाफ आवाज उठाने की हिम्मत मिली। उसने तुरंत माणिकपुर पुलिस स्टेशन पहुंचकर जीरो एफआईआर दर्ज कराई, जिसे आगे की जांच के लिए पुणे के हडपसर पुलिस स्टेशन भेज दिया गया है।

कई और महिलाओं के शिकार होने की आशंका

मामले की जानकारी देते हुए सीनियर इंस्पेक्टर हीरालाल जाधव ने बताया कि आरोपी ऋषिकेश वैद्य को सलाखों के पीछे भेज दिया गया है।

मिज़ोरम भारत का पहला पूर्णतः साक्षर राज्य, 'भारत की अदरक राजधानी' के रूप में पहचानः डॉ. वीके सिंह

आइज़ोल (आरएनएस)। भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा आयोजित पीआईबी प्रेस टूर में भाग ले रहे पंजाब और हिमाचल प्रदेश के पत्रकारों के एक दल ने आज आज अपने टूर के आखिरी दिन आइजोल स्थित लोक भवन में मिजोरम के राज्यपाल जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह, पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम (सेवानिवृत्त) से मुलाकात की। राज्यपाल (डॉ.) विजय कुमार सिंह ने भारत, म्यांमार और बांग्लादेश की सीमा से लगे त्रिकोणीय जंक्शन राज्य के रूप में मिजोरम के रणनीतिक महत्व पर प्रकाश डाला, जो भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।उन्होंने पड़ोसी देशों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंधों का उल्लेख किया, जिसके परिणामस्वरूप सीमा क्षेत्र काफी हद तक शांतिपूर्ण बना हुआ है।

जो भारतीयों और भारत के हक में है, वही भारत सरकार की नीति और रणनीति हैं : पीएम मोदी

नई दिल्ली (ए.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि पश्चिमी एशिया में एक महीने से युद्ध जारी है और भारत देशवासियों के भरोसे के साथ इस संकट का पूरी शक्ति से मुकाबला कर रहा है। मोदी ने वैश्विक संकट की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा, मैं प्रदेश व देश के सभी राजनीतिक दलों से आग्रह पूर्वक कहना चाहता हूं कि इस प्रकार के संकट से ऐसी बातें करने से बचें, जो देश के लिए नुकसानदायक है। उन्होंने कहा, जो भारतीयों और भारत के हक में है, वही भारत सरकार की नीति और रणनीति हैं। राजनीति के लिए गलत बयानबाजी करने वाले राजनीतिक बहस में कुछ नंबर पाएंगे लेकिन देश को नुकसान पहुंचाने वाली हरकतों को देश की जनता कभी माफ नहीं करती। प्रधानमंत्री मोदी ने लगभग 11,200 करोड़ रुपये के निवेश

से विकसित नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के प्रथम चरण समेत कार्गो हब का उद्घाटन करने के बाद जेवर में एक समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा, आज पूरा विश्व चिंतित हैं, पश्चिम एशिया में एक महीने से युद्ध जारी है। युद्ध की वजह से कई सारे देशों में खाने-पीने के सामान, डीजल, खाद का संकट सामने आया है। मोदी ने कहा, हर देश इस संकट का सामना करने के लिए कुछ न कुछ प्रयास कर रहा है लेकिन भारत देशवासियों की ताकत के भरोसे इस संकट का पूरी शक्ति से मुकाबला कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत बड़ी मात्रा में कच्चे तेल व गैस प्रभावित देशों से मंगाता है इसलिए सरकार हर वह कदम उठा रही है जिससे सामान्य परिवारों, किसान भाई-बहनों पर इस संकट का बोझ न पड़े। प्रधानमंत्री ने कहा, विकसित भारत बनाने के लिए सबका प्रयास बहुत जरूरी है। यह आवश्यक है कि 140 करोड़ देशवासी कड़े से कड़ा परिश्रम करें और एकजुट होकर सामना करें। अभी जो युद्ध जारी है, उससे उपजे संकटों का सामना कैसे करना है, इसके बारे में मैंने संसद में भी बताया है। मेरी कल (शुक्रवार को) सभी मुख्यमंत्रियों से लंबी और सकारात्मक चर्चा हुई है।

47,000 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर एमटी जग वसंत, गुजरात के जामनगर में शिप-टू-शिप ट्रांसफर ऑपरेशन के लिए दीनदयाल पोर्ट अथॉरिटी के वाडिनार टर्मिनल पर पहुँच गया।

असम में भाजपा का ऑपरेशन क्लीन, चुनाव से ठीक पहले 9 बागी नेताओं को पार्टी से किया गया बाहर

दिसपुर (ए.)। असम विधानसभा चुनाव से पहले एक कड़े अनुशासनात्मक कदम के तहत, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आधिकारिक रूप से मनोनीत पार्टी उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव लड़ने के आरोप में नौ नेताओं को छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया है। निष्कासित नेताओं में उद्धव दास (बारपेटा एलएसी), जयंत कुमार दास (दिसपुर एलएसी), जितेंद्र सिंह गौर (कलियाबोर एलएसी), अमलेंदु दास (बरखोला एलएसी), धनजीत राभा (गोलपारा पश्चिम एलएसी), चक्रधर दास (बोंगाईगांव एलएसी), गगन चंद्र हलोई (बारपेटा एलएसी), अंकुर दास (कमालपुर एलएसी), और यशोदा दुलाल (श्यामल) रक्षित (लुमडिंग एलएसी) शामिल हैं। 27 मार्च को लिखे एक पत्र में, राज्य भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने कहा कि यह कार्रवाई पार्टी के संविधान के प्रावधानों के तहत की गई है। पत्र में कहा गया है कि 2026 के असम विधानसभा चुनावों के लिए, भारतीय जनता पार्टी ने आधिकारिक रूप से मनोनीत पार्टी उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव लड़ने के लिए निम्नलिखित पार्टी कार्यकर्ताओं को तत्काल प्रभाव से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया है। यह कार्रवाई पार्टी संविधान के अनुच्छेद XXV-9 के तहत की गई है। यह अधिसूचना भाजपा असम प्रदेश के राज्य महासचिव अनूप बर्मन द्वारा जारी की गई थी। इसके अलावा, राज्य नेतृत्व के निर्देशों के बाद, भाजपा उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों का समर्थन या सहायता करने के आरोप में छह पार्टी कार्यकर्ताओं को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से हटा दिया गया है।

अब हर 15 दिन में होगा कीमतों का रिव्यू, पेट्रोल-डीजल पर सरकार का बड़ा फैसला

नई दिल्ली, (आरएनएस)। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर सरकार ने एक बहुत बड़ा और अहम ऐलान किया है। अब से हर 15 दिनों पर तेल की कीमतों की विस्तार से समीक्षा (रिव्यू) की जाएगी। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के चेयरमैन विवेक चतुर्वेदी ने बताया कि यह कदम इसलिए उठाया गया है ताकि तेल कंपनियों के भारी घाटे को कम किया जा सके और आम ग्राहकों पर बढ़ती कीमतों का बोझ भी न पड़े। इसी रणनीति के तहत सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में भारी कटौती करने का फैसला किया है। कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार, घबराने की बिल्कुल जरूरत नहीं पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने देशवासियों को आश्वस्त किया है कि वर्तमान में कच्चे तेल की कोई कमी नहीं है और अगले दो महीने के लिए सप्लाई की पूरी व्यवस्था तय कर ली गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि एलपीजी और पीएनजी की आपूर्ति पूरी तरह से सामान्य है और ग्राहकों को रोजाना 10,000 से अधिक नए कनेक्शन दिए जा रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश में पेट्रोल और डीजल

की उपलब्धता पर्याप्त मात्रा में है, इसलिए लोगों से अपील की गई है कि वे घबराकर पेट्रोल पंपों पर बेवजह भीड़ न लगाएं। अफवाहों, जमाखोरी और कालाबाजारी को रोकने के लिए प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि अप्रैल 2022 से अब तक पेट्रोल-डीजल के दाम या तो स्थिर रहे हैं या उनमें कमी ही आई है। पश्चिम एशिया में चल रहे संकट का जिक्र करते हुए संयुक्त सचिव ने बताया कि भले ही हम अभी युद्ध जैसी गंभीर स्थिति का सामना कर रहे हैं और कच्चे तेल, एलपीजी व एलएनजी की अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति प्रभावित हुई है, लेकिन भारत के पास अपना पर्याप्त भंडार मौजूद है। उन्होंने जानकारी दी कि देश की सभी रिफाइनरियां अपनी 100 प्रतिशत से अधिक क्षमता पर काम कर रही हैं। पिछले कुछ हफ्तों से जो वाणिज्यिक आपूर्ति बाधित हुई थी, उसे अब तेजी से 70 प्रतिशत तक बहाल कर दिया गया है। ऐसे में देश में ईंधन को लेकर पैनिक की कोई स्थिति नहीं है। सीबीआईसी के चेयरमैन विवेक चतुर्वेदी ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल, पेट्रोल, डीजल और एटीएफ की कीमतों में आए भारी उछाल के कारण सरकार ने यह संतुलित दृष्टिकोण अपनाया है। इसी कड़ी में घरेलू पेट्रोल और डीजल की खपत पर ड्यूटी में 10 रुपये की बड़ी कमी की गई है। पेट्रोल पर संशोधित उत्पाद शुल्क 21.90 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 11.09 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है, जबकि डीजल पर यह शुल्क 17.8 रुपये से घटाकर 7.8 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। इसके अलावा वर्तमान क्रैक कीमतों के आधार पर पेट्रोल पर शुल्क शून्य है और डीजल व एटीएफ के निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) और उपकर लागू किया गया है।

2026 में वामिका गब्बी का धमाका, सात फिल्मों से करेंगी दर्शकों का मनोरंजन

मुंबई (ए.)। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'भूत-बंगला' से बड़े पर्दे पर वापसी कर रहीं वामिका गब्बी के लिए साल 2026 बेहद खास साबित होने जा रहा है। अभिनेत्री इस साल एक-दो नहीं, बल्कि कुल सात फिल्मों के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। खास बात यह है कि उनकी ये फिल्में अलग-अलग भाषाओं और जॉनर में होंगी, जिससे उनका बहुआयामी अभिनय दर्शकों को देखने को मिलेगा। वामिका गब्बी 10 अप्रैल को रिलीज होने वाली फिल्म 'भूत-बंगला' से साल की शुरुआत करेंगी। इस फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन कर रहे हैं और यह हॉरर-कॉमेडी जॉनर में बनी है। फिल्म में डर और हंसी का जबरदस्त मिश्रण देखने को मिलेगा, जिससे दर्शकों को एक अलग अनुभव मिलने की उम्मीद है।

इसके अलावा वामिका करीब चार साल बाद मलयालम सिनेमा में भी वापसी करने जा रही हैं। वह फिल्म 'टिकी टाका' में आसिफ अली के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म पहले 2025 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसके मई 2026 में रिलीज होने की संभावना है। फिल्म का निर्देशन रोहित वीएस कर रहे हैं, जो एक्शन फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। तमिल सिनेमा में भी वामिका अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगी। वह फैंटेसी फिल्म 'जिनी' में जयम रवि और कल्याणी प्रियदर्शन के साथ नजर आएंगी। फिल्म में उनका किरदार काफी अलग और दिलचस्प बताया जा रहा है, जो दर्शकों को आकर्षित करेगा।

हिंदी सिनेमा में भी वामिका की कई फिल्में लाइनअप में हैं। 'दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग' एक रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म है, जबकि 'पति पत्नी और वो दो' में रिश्तों की नोक-झोंक और हास्य का तड़का देखने को मिलेगा। इन दोनों फिल्मों की शूटिंग लगभग पूरी हो चुकी है और ये जल्द ही रिलीज के लिए तैयार हैं। पंजाबी सिनेमा में भी वामिका 'किकली' के जरिए एक्शन अवतार में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ मंदी तखर और जोबनप्रीत मुख्य भूमिकाओं में होंगे। इसके अलावा वह एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'जी-2' में भी नजर आएंगी, जो साल के मध्य तक रिलीज हो सकती है। कुल मिलाकर, 2026 वामिका गब्बी के करियर के लिए एक बड़ा मोड़ साबित हो सकता है, जहां वह अलग-अलग भाषाओं और किरदारों के जरिए अपनी अभिनय क्षमता का दमदार प्रदर्शन करती नजर आएंगी।

मोना सिंह की सीरीज मां का सम का ट्रेलर जारी, दिल छू लेगा मां-बेटे का रिश्ता

मां का सम नई सीरीज का ट्रेलर आज कुछ ही देर रिलीज हो चुका है। सीरीज के ट्रेलर में रोमांटिक, एक्शन और थ्रिलर की जगह लॉजिकल कहानी नजर आई। यह कहानी एक 19 साल के मैथ जीनियस लड़के की है। मां का सम सीरीज 3 अप्रैल को सिर्फ प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी।

मां का सम के ट्रेलर में अगस्त्य (मिहिर आहूजा) से मिलवाया गया है, जो 19 साल का लड़का है और मैथ में जीनियस है। उसका मानना है कि मैथ हो या प्यार दोनों में एक ही इक्वेशन है। अगस्त्य (मिहिर आहूजा) अपनी सिंगल मां विनीता (मोना सिंह) के लिए एक परफेक्ट पार्टनर ढूंढने का मिशन शुरू करता है, जिसका नाम रखता है-प्रोजेक्ट मॉम।

यह एक ऐसी कहानी है, जिसमें लॉजिक और भावनाएं दोनों साथ चलती हैं। लेकिन जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है अगस्त्य के बनाए हुए सारे फॉर्मूले बिगड़ने लगते हैं। कहानी में एक नई मैथ प्रोफेसर इरा (अंगिरा धर) भी आती है। अगस्त्य और इरा मिलकर एक एल्गोरिदम बनाते हैं, जो परफेक्ट मैच ढूंढने में मदद करे। लेकिन धीरे-धीरे भावनाएं अगस्त्य की कैलकुलेटेड दुनिया में घुसने लगती हैं और सारी गणित उलझ जाती है।मोना सिंह ने इस सीरीज में विनीता का किरदार निभाया है।

सान्या मल्होत्रा की 'सुंदर पूनम' की शूटिंग शुरू, रोमांस और सस्पेंस से भरी कहानी को लेकर बढ़ा उत्साह

मुंबई (ए.)। बॉलीवुड में इन दिनों मजबूत कंटेंट और नई कहानियों वाली फिल्मों का चलन तेजी से बढ़ रहा है। दर्शक अब केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि ऐसी फिल्में देखना पसंद कर रहे हैं जो उन्हें भावनात्मक रूप से भी जोड़ सकें। इसी ट्रेंड के बीच सान्या मल्होत्रा की आगामी रोमांटिक थ्रिलर फिल्म 'सुंदर पूनम' को लेकर चर्चा तेज हो गई है। फिल्म की शूटिंग आधिकारिक तौर पर शुरू हो चुकी है, जिससे फैंस के बीच उत्साह और बढ़ गया है। सान्या मल्होत्रा ने इस खास मौके को अपने सोशल मीडिया के जरिए साझा किया। उन्होंने शूटिंग शुरू होने से पहले पारंपरिक मुहूर्त पूजा की और उसकी झलक इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। तस्वीरों में फिल्म का क्लैपबोर्ड नजर आता है, वहीं कुछ कैंडिड फोटोज में वह अपने सह-कलाकारों के साथ दिखाई दे रही हैं। एक वीडियो में सान्या पूजा के दौरान आरती करती नजर आती हैं। इस पोस्ट के साथ उन्होंने लिखा कि 'सुंदर पूनम' की शूटिंग आधिकारिक तौर पर शुरू हो चुकी है।

फिल्म का निर्देशन पुलकित कर रहे हैं, जबकि इसमें सान्या के साथ आदित्य रावल मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म प्राइम वीडियो के 2026 के प्रोजेक्ट्स में शामिल है, जिससे इसकी पहुंच वैश्विक दर्शकों तक होने की उम्मीद है। हाल ही में मेकर्स ने फिल्म का फर्स्ट लुक भी जारी किया था, जिसमें सान्या मल्होत्रा दुल्हन के रूप में नजर आईं। वीडियो में उनका किरदार पूनम एक रहस्यमयी स्थिति में दिखाई देता है, जहां उसका फोन लगातार बजता रहता है और 'सुंदर' व 'राजू' नाम से कॉल आते हैं। अंत में एक खबर सुनाई देती है कि कश्मीर में एक शादीशुदा जोड़ा लापता हो गया है, जो कहानी में सस्पेंस को और गहरा बना देता है।

फिल्म की कहानी रोमांस, क्राइम और थ्रिलर का मिश्रण बताई जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह एक वास्तविक घटना से प्रेरित है और इसमें एक नवविवाहित जोड़े की कहानी दिखाई जाएगी, जो हनीमून के लिए कश्मीर जाता है। इसी दौरान उनके अचानक गायब होने की खबर सामने आती है, जिसके बाद कई चौंकाने वाले खुलासे होते हैं। खास तौर पर दुल्हन पूनम के किरदार से जुड़ा रहस्य कहानी को और दिलचस्प बनाता है। कुल मिलाकर 'सुंदर पूनम' एक ऐसी फिल्म के रूप में सामने आ रही है, जो दर्शकों को भावनात्मक जुड़ाव के साथ-साथ रहस्य और रोमांच का अनुभव भी देगी।

कोल्ड कॉफी को सेहतमंद बनाने के लिए अपनाएं ये तरीके, नहीं बढ़ेगा आपका वजन

कोल्ड कॉफी का स्वाद हर किसी को भाता है और गर्मी में इसे पीने का मजा ही अलग होता है। हालांकि, इसमें इस्तेमाल की जाने वाली चीजें अक्सर सेहत के लिए सही नहीं होतीं। इसमें सफेद चीनी और व्हिप क्रीम आदि का इस्तेमाल होता है, जो वजन बढ़ने का कारण बनती हैं। इन चीजों के कारण कोल्ड कॉफी में कैलोरी और वसा की मात्रा बढ़ जाती है। अगर आप कोल्ड कॉफी को सेहतमंद बनाना चाहते हैं तो ये टिप्स अपनाएं।

दूध की जगह बादाम का दूध इस्तेमाल करें

अधिकांश लोग कोल्ड कॉफी बनाने के लिए सामान्य दूध का इस्तेमाल करते हैं, जिसमें वसा की मात्रा ज्यादा होती है। अगर आप चाहें तो इसमें सामान्य दूध के बजाय बादाम के दूध का इस्तेमाल कर सकते हैं। बादाम का दूध कम कैलोरी वाला होता है और इसमें प्रोटीन, विटामिन-ई और मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व भी होते हैं, जो आपकी सेहत के लिए फायदेमंद हैं। यह लैक्टोज मुक्त भी होता है, जिसे वजह से इसे हर कोई पी सकता है।

सफेद चीनी के बजाय शहद या मेपल सिरप डालें

कोल्ड कॉफी में मिठास बढ़ाने के लिए सफेद चीनी की जगह शहद या मेपल सिरप का इस्तेमाल करें। शहद और मेपल सिरप प्राकृतिक मिठास प्रदान करते हैं और सेहत के लिए भी अच्छे होते हैं। इनका उपयोग करने से आपकी कोल्ड कॉफी में मिठास भी बढ़ेगी और यह सेहत के लिए भी फायदेमंद होगी। शहद और मेपल सिरप दोनों ही कम कैलोरी वाले होते हैं और इनमें शरीर के लिए जरूरी तत्व होते हैं।

व्हिप क्रीम की जगह बादाम का मक्खन डालें

अक्सर लोग अपनी कोल्ड कॉफी पर व्हिप क्रीम डालते हैं, जिससे इसमें कैलोरी काफी बढ़ जाती है। आप अपनी ठंडी कॉफी में व्हिप क्रीम की जगह पर बादाम के मक्खन का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे न केवल इस पेय की कैलोरी कम होगी, बल्कि यह और भी स्वादिष्ट बन जाएगा। बादाम का मक्खन प्रोटीन और वसा से भरपूर होता है, जो आपकी सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। आप इस सामग्री के बिना भी कोल्ड कॉफी बना सकते हैं।

स्वाद बढ़ाने के लिए दालचीनी पाउडर डालें

कोल्ड कॉफी का स्वाद बढ़ाने के लिए इसमें थोड़ा-सा दालचीनी पाउडर मिला सकते हैं। दालचीनी न केवल आपकी कोल्ड कॉफी को एक खास स्वाद देगी, बल्कि इसमें मौजूद अच्छे तत्व आपके स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होंगे। दालचीनी पाउडर में मौजूद गुण आपके पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में मदद करेंगे और प्रतिरक्षा प्रणाली को भी मजबूत करेंगे। इन तरीकों से आप अपनी कोल्ड कॉफी को स्वादिष्ट और सेहतमंद बना सकते हैं।

दुनियाभर में 'धुरंधर 2' का भौकाल, 8वें दिन 11 सौ करोड़ के हुई पार, शाहरुख खान के 3 साल पुराने रिकॉर्ड की उड़ा दी धज्जियां

रणवीर सिंह स्टारर और आदित्य धर निर्देशित फ़िल्म 'धुरंधर 2' देश और दुनियाभर के बॉक्स ऑफ़िस पर एक जबरदस्त तूफ़ान बन गई है, जो रुकने का नाम नहीं ले रही और टिकट खिड़की पर खतरनाक कलेक्शन कर रही है. फिल्म की वर्ल्डवाइड परफॉर्मेंस की बात करें तो ये स्पाई थ्रिलर फ़िल्म दुनियाभर में न सिर्फ़ 1000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने वाली सबसे तेज बॉलीवुड फ़िल्म बन गई है, बल्कि इसने शाहरुख़ ख़ान की फ़िल्म पठान के लाइफ़टाइम बिज़नेस को भी पीछे छोड़ दिया है. धुरंधर 2 का क्रेज़ वर्किंग डेज में भी कम नहीं हुआ है, और दूसरे गुरुवार को भी इसने तगड़ा कलेक्शन कर डाला है. चलिए यहां जानते हैं 'धुरंधर 2' का 8वें दिन का कलेक्शन कितना रहा है? रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' दुनियाभर में वीकडेज़ में भी बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा रही है. पहले वीकेंड में शानदार कमाई के बाद, फिल्म रेगुलर वर्किंग डेज़ में भी ताबड़तोड़ करोडों कमा रही है और नए बेंचमार्क सेट कर रही है.सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुवार के शुरुआती अनुमानों के मुताबिक 19,493 शो से इस फिल्म ने भारत में 49.70 करोड़ की कमाई हुई है, जिससे इसका घरेलू बाजार में कुल ग्रॉस कलेक्शन 805.32 करोड़ हो गया है. भारत से नेट कलेक्शन 674.17 करोड़ है. बुधवार तक के विदेशी कलेक्शन (261.92 करोड़) को इसमें जोड़ने पर,

दुनिया भर में कुल कलेक्शन ?1,067.24 करोड़ हो जाता है. गुरुवार के विदेशी कलेक्शन से इसमें और भी करोड़ों रुपए जुड़ गए हैं और यह दुनिया भर में इसने 1100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है.धुरंधर 2' ने रिलीज के 8वें दिन यानी दूसरे गुरुवार को 11 सौ का आंकड़ा पार कर शाहरुख खान की साल 2023 की ब्लॉकबस्टर 'पठान' के वर्ल्डवाइड लाइफटाइम कलेक्शन 1069.85 करोड़ को मात दे दी है. अब इसका अगला टारगेट शाहरुख खान की एक और ब्लॉकबस्टर जवान के वर्ल्डवाइड लाइफटाइम कलेक्शन 1163.62 करोड़ को पार करना है.उम्मीद है कि दूसरे शुक्रवार को फिल्म ये मील का पत्थर पार कर लेगी और इसी के साथ बॉलीवुड की दुनियाभर में तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन जाएगी और दूसरे पर पहुंचने के लिए इसे अपनी ही प्रीक्वल धुरंधर के 1300 करोड़ के लाइफटाइम को मात देनी होगी. जबकि पहले नंबर पर आमिर खान की दंगल 2059 करोड़ के कलेक्शन के साथ काबिज है.

संघर्ष से स्टारडम तकः अर्चना पूरन सिंह की सफलता की प्रेरक कहानी

मुंबई (ए.)। अर्चना पूरन सिंह आज भले ही टीवी और मनोरंजन जगत की एक जानी-मानी हस्ती हैं, लेकिन यहां तक पहुंचने का उनका सफर आसान नहीं रहा। 'कुछ-कुछ होता है' में मिसेज ब्रिगेंजा के किरदार से लेकर द कपिल शर्मा शो में जज के रूप में उनकी हंसी ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई है। देहरादून में जन्मीं अर्चना ने कम उम्र में ही अपने करियर की शुरुआत कर दी थी, लेकिन शुरुआती दौर में उन्हें कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। अर्चना ने अपने करियर की शुरुआत छोटे पर्दे से की थी। फिल्मों में आने से पहले वह कई टीवी सीरियल्स में नजर आ चुकी थीं। करमचंद जैसे लोकप्रिय शो में उन्होंने डबल रोल निभाकर अपनी अभिनय क्षमता का परिचय दिया। उस समय छोटे पर्दे पर डबल रोल करना एक बड़ी चुनौती माना जाता था, लेकिन अर्चना ने इसे बेहद सहजता से निभाया। हालांकि, यह शो ज्यादा समय तक नहीं चला, लेकिन इससे उन्हें पहचान जरूर मिली। फिल्मी दुनिया में कदम रखना उनके लिए और भी चुनौतीपूर्ण रहा। साल 1987 में उन्हें पहली फिल्म जलवा का ऑफर मिला, लेकिन इसके लिए उन्हें कई अन्य मॉडल्स के साथ कड़ी प्रतिस्पर्धा करनी पड़ी। स्क्रीन टेस्ट के लिए बुलाए जाने पर वह घर से दूर थीं और उस समय उन्होंने 100 रुपये खर्च कर टैक्सी से स्टूडियो पहुंचने का फैसला किया। उस दौर में यह रकम काफी बड़ी मानी जाती थी।

घर पर आसानी से मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए अपनाएं ये 5 सरल तरीके

मांसपेशियों का विकास एक ऐसी प्रक्रिया है, जो न केवल शारीरिक ताकत को बढ़ाता है, बल्कि आत्मविश्वास को भी मजबूत करता है। अगर आप जिम जाने का समय नहीं निकाल पा रहे हैं, तो घर पर ही कुछ आसान कसरतों को अपनाकर आप मांसपेशियों का विकास कर सकते हैं। यहां हम आपको कुछ ऐसी कसरतों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो रोजमर्रा की जिंदगी में आसानी से की जा सकती हैं।

पुश-अप्स से होगा फायदा

पुश-अप्स एक ऐसी कसरत है, जो आपके पूरे शरीर की मांसपेशियों को मजबूत बनाती है। इसे करने के लिए सबसे पहले जमीन पर पेट के बल लेटें और अपने दोनों हाथों पर वजन डालते हुए शरीर को ऊपर-नीचे करें। इस दौरान ध्यान रखें कि आपका शरीर एक सीध में हो। यह कसरत न केवल छाती, कंधे और हाथों की मांसपेशियों को मजबूत करती है, बल्कि पेट की मांसपेशियों को भी टोन करती है।

स्क्वाट्स भी है प्रभावी

स्क्वाट्स आपके पैरों और पीठ की मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद कर सकती है। इसके लिए सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं और फिर घुटनों को मोड़ते हुए ऐसे बैठें, जैसे कि कुर्सी पर बैठने वाले हों। इसके बाद धीरे-धीरे नीचे झुकते हुए खड़े हो जाएं। यह प्रक्रिया बार-बार दोहराएं। स्क्वाट्स करने से आपके पैरों की ताकत बढ़ेगी और पीठ की मांसपेशियां भी मजबूत होंगी, जिससे आपकी शारीरिक स्थिति बेहतर होगी।

प्लैंक आजमाएं

प्लैंक एक बेहतरीन कसरत है, जो आपके पूरे शरीर को चुनौती देती है और मांसपेशियों को मजबूत बनाती है। इसके लिए सबसे पहले जमीन पर पेट के बल लेटकर अपने दोनों हाथों को घुटनों के ऊपर रखें और पंजों पर वजन डालते हुए शरीर को सीधा रखें। इस अवस्था में जितनी देर हो सके उतनी देर टिके रहें। प्लैंक करने से पेट, पीठ और कंधों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं, जिससे आपकी शारीरिक स्थिति बेहतर होती है।

लंज को बनाएं अपनी दिनचर्या

लंज एक ऐसी कसरत है, जो आपके पैरों, कूल्हों और पेट की मांसपेशियों को मजबूत बनाती है। इसके लिए सबसे पहले सीधे खड़े होकर एक पैर को आगे बढ़ाएं और दूसरे पैर को पीछे खींचें, फिर आगे वाले घुटने को मोड़ते हुए नीचे आएं जब तक कि दोनों घुटने 90 डिग्री तक न हो जाएं। इस अवस्था में कुछ सेकंड रुके रहें और फिर वापस प्रारंभिक स्थिति में आ जाएं। इसे बार-बार दोहराएं।

पुल-अप्स भी है फायदेमंद

पुल-अप्स एक ऐसी कसरत है, जो आपकी पीठ, कंधों और हाथों की मांसपेशियों को मजबूत बनाती है। इसके लिए किसी मजबूत सलाखों पर लटकें और अपने हाथों से खुद को ऊपर खींचें जब तक कि आपका ठुड्डी बार के ऊपर न हो जाएं।

नीचे धीरे-धीरे आएं और फिर से इसे दोहराएं। पुल-अप्स करने से आपकी पीठ की मांसपेशियां टोन होती हैं, जिससे आपकी शारीरिक स्थिति बेहतर होती है।

GOLF के महान खिलाड़ी टाइगर वुड्स को पुलिस ने किया गिरफ्तार, जानें क्या है पूरा मामला

फ्लोरिडा (आरएनएस)। फ्लोरिडा के जुपिटर आइलैंड में एक खौफनाक कार हादसे के बाद गोल्फ के महान खिलाड़ी टाइगर वुड्स को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। 15 बार के मेजर चैंपियन और दुनिया भर में गोल्फ के आइकन माने जाने वाले टाइगर वुड्स को उनके घर से कुछ ही दूरी पर

नशे की हालत में गाड़ी चलाने (DUI) के गंभीर शक में गिरफ्तार किया गया है। मार्टिन काउंटी शेरिफ जॉन बुडेनसीक ने इस पूरी घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि दिग्गज खिलाड़ी को इस हादसे के तुरंत बाद पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया।इस भयंकर एक्सीडेंट की वजह तेज रफ्तार और खतरनाक तरीके से ओवरटेक करना बताई जा रही है। जॉन बुडेनसीक के मुताबिक, टाइगर वुड्स साउथ बीच रोड पर उत्तर की दिशा में अपनी लैंड रोवर कार को बेहद तेज गति से दौड़ा रहे थे। इसी दौरान उन्होंने आगे चल रहे एक ट्रक को पार करने की कोशिश की। यह ट्रक एक प्रेशर क्लीनर ले जा रहा था और आगे जाकर एक ड्राइववे की ओर मुड़ने के लिए अचानक धीमा हो गया था, जिसके चलते वुड्स की कार का संतुलन बिगड़ गया।ट्रक के अचानक धीमा होने पर वुड्स ने किसी तरह अपनी एसयूवी को ट्रक से सीधे टकराने से तो बचा लिया, लेकिन उनकी तेज रफ्तार कार ट्रेलर के पिछले हिस्से से बुरी तरह जा टकराई।

आईपीएल 2026: सीएसके को लगा बड़ा झटका, पहले 2 हफ्ते नहीं खेलेंगे महेंद्र सिंह धोनी

नई दिल्ली, (आरएनएस)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 की शुरुआत से पहले चेन्नई सुपर किंग्स की टीम को बड़ा झटका लगा है. टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबले में खेलने को लेकर बड़ी खबर सामने आई है. एमएस धोनी के आईपीएल 2026 के पहले दो हफ्तों में खेलने की संभावना कम है. वह अपनी पिंडली में खिंचाव से उबर रहे हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से सीजन के पहले मैच की सुबह जारी बयान में पुष्टि की गई कि धोनी पिंडली की चोट के लिए रिहैबिलिटेशन कर रहे हैं. इससे टीम टूर्नामेंट के शुरुआती हिस्से में अपने स्टार खिलाड़ी के बिना उतर सकती है. चेन्नई का पहला मैच 30 मार्च को गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ है।

28 मार्च को इंडियन प्रीमियर लीग के नए सीजन की शुरुआत से ठीक पहले चेन्नई से फैंस को दिल तोड़ने वाली खबर मिली. टीम की तरफ से आधिकारिक तौर पर इस बात को पक्का कर दिया गया कि धोनी चोटिल होने की वजह से शुरुआती मुकाबलों में खेलने नहीं उतरेंगे. इसका मतलब साफ है कि संजू सैमसन उनकी जगह पर विकेटकीपर की जिम्मेदारी निभाते नजर आएंगे।

सीएसके अपनी मुहिम की शुरुआत सोमवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ करेगी और पहले दो हफ्तों में पंजाब किंग्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और दिल्ली कैपिटल्स से भी भिड़ेगी. नए स्टार खिलाड़ी संजू सैमसन कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के साथ ओपनिंग करेंगे. टीम में वैसे तो विकेटकीपिंग के विकल्प के तौर पर उर्विल पटेल और कार्तिक शर्मा हैं लेकिन संजू ही धोनी की जगह नजर आएंगे. इस सीजन से पहले सैमसन को राजस्थान रॉयल्स से रवींद्र जडेजा और सैम करन की जगह ट्रेड किया गया है. सीएसके ने घरेलू क्रिकेट में शानदार छक्के लगाने वाले कार्तिक पर 14.20 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

10 वर्षों में 8.1 अरब डॉलर के खेल उपकरणों का होगा निर्यात, 54 लाख नौकरियों के बढ़ेंगे अवसर

नईदिल्ली (आरएनएस)। देश में खेल के प्रति जुनून व निर्माण इंफ्रास्ट्रक्चर के चलते इससे जुड़े सामान का निर्यात अगले 10 वर्षों में 8.1 अरब डॉलर तक हो सकता है। इसके लिए एमएसएमई आधारित क्लस्टरों निर्माण होंगे। इससे 54 लाख अतिरिक्त नौकरियों के अवसर बन सकते हैं। इससे भारत उच्च-गुणवत्ता वाले खेल उपकरणों का विश्वसनीय वैश्विक आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित हो सकेगा।

नीति आयोग ने रिपोर्ट में इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए रोडमैप दिया है। इसके मुताबिक, प्रौद्योगिकी अपनाने, गुणवत्ता-परीक्षण, कच्चे माल ,उन्नत सामग्रियों में निवेश बढ़ाना होगा। मजबूत एंकर ब्रांड साझेदारियों, व्यापार नीति के जरिये बेहतर बाजार पहुंच, समन्वित ब्रांडिंग प्रयास से निर्यात लक्ष्य पाया जा सकता है।

इसी साल इटली में शीतकालीन ओलंपिक, ग्लासगो में राष्ट्रमंडल खेल व जापान में एशियाई खेल होंगे। अगले साल 2027 में मेघालय में राष्ट्रीय खेल, 2028 में लॉस ऐंजिल्स में ओलंपिक खेल व पैरा ओलंपिक खेल होंगे। 2030 में दोहा में एशियाई खेल होंगे। 2030 में अहमदाबाद में राष्ट्रमंडल खेल व 2032 में ब्रिसबेन में ओलंपिक खेल होंगे। 2034 में रियाद एशियाई खेल की मेजबानी करेगा। वहीं, 2036 के ओलंपिक की मेजबानी के लिए भारत ने अहमदाबाद की दावेदारी पेश की है। इन वर्षों में इतने आयोजनों के चलते खेल सामान व उपकरणों की खासी मांग होगी। भारत अपनी तैयारी कर इसमें अहम भूमिका निभा सकता है।

भारत के आगे झुका बांग्लादेश! सत्ता बदलते ही IPL से हटाया बैन; सामने आई ये बड़ी वजह

नई दिल्ली (आरएनएस)। तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 से रिलीज किए जाने के बाद भारत और बांग्लादेश के क्रिकेट संबंधों में आई कड़वाहट अब खत्म होती नजर आ रही है। बांग्लादेश की पूर्व मोहम्मद यूनुस सरकार ने खुन्नस निकालते हुए न सिर्फ आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपनी टीम भारत भेजने से इनकार कर दिया था, बल्कि देश में आईपीएल के प्रसारण पर भी पूरी तरह से बैन लगा दिया था। दुनिया की सबसे बड़ी और लोकप्रिय टी20 लीग पर लगे इस बैन ने क्रिकेट फैंस को काफी हैरान कर दिया था। हालांकि, अब बांग्लादेश में हुए सत्ता परिवर्तन के बाद हालात पूरी तरह से बदल गए हैं और नई सरकार ने आईपीएल के प्रसारण को फिर से हरी झंडी दे दी है।

खेल और राजनीति को अलग रखने पर नई सरकार का जोर

बांग्लादेश के वर्तमान सूचना और प्रसारण मंत्री जहीर उद्दीन स्वपन ने इस पूरे विवाद पर स्थिति साफ करते हुए कहा है कि नई सरकार खेल को राजनीति से बिल्कुल अलग रखना चाहती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इंडियन प्रीमियर लीग के प्रसारण पर अब कोई सरकारी या प्रशासनिक रोक नहीं लगाई जाएगी। जहीर उद्दीन स्वपन के मुताबिक, अगर कोई टीवी चैनल कमर्शियल नजरिए से आईपीएल के मुकाबले दिखाना चाहता है, तो सरकार उसे सकारात्मक रूप से देखेगी और किसी भी चैनल को इसका प्रसारण करने से नहीं रोका जाएगा। केबल ऑपरेटर्स एसोसिएशन ने भी इस बात की पुष्टि कर दी है कि अगर स्टार स्पोर्ट्स बांग्लादेश में आईपीएल दिखाता है, तो वे उसे बिना किसी डर के प्रसारित कर सकते हैं और उन्हें इसे रोकने का कोई निर्देश नहीं मिला है।

टीम इंडिया के आगामी दौरे से जुड़ा है 'डिप्लोमैटिक' कनेक्शन

बांग्लादेश सरकार का आईपीएल पर अचानक यह नरम रुख अपनाना एक बड़े 'डिप्लोमैटिक सिग्नल' के तौर पर भी देखा जा रहा है। दरअसल, बांग्लादेश को इस साल सितंबर में अपने घर पर भारत के खिलाफ तीन वनडे और तीन टी20 मैचों की एक अहम सीरीज खेलनी है। हालांकि, भारतीय टीम के इस दौरे को लेकर अंतिम फैसला भारत की केंद्र सरकार की मंजूरी पर ही टिका है। ऐसे में माना जा रहा है कि पूर्व सरकार के समय राजनीतिक माहौल और बोर्ड्स के बीच चल रहे जिन विवादों के कारण आईपीएल पर बैन लगा था, उसे हटाकर नई सरकार भारत के साथ अपने क्रिकेट और कूटनीतिक संबंधों को सुधारने की एक बड़ी कोशिश कर रही है।

हार्दिक पांड्या ने विश्व कप जीत के बाद किया वादा निभाया, ग्राउंड्समैन को दिया खास तोहफा

नईदिल्ली, (आरएनएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने एक बार फिर साबित किया कि उनका प्रभाव मैदान के बाहर भी उतना ही बड़ा है। टी-20 विश्व कप 2026 जीतने वाले इस हरफनमौला खिलाड़ी ने इस बार वानखेड़े स्टेडियम के ग्राउंड्समैन के लिए दिल जीत लेने वाला कदम उठाया। महीनों पहले किया गया अपना वादा निभाते हुए हार्दिक ने ग्राउंड्समैन को सम्मानित किया और उन्हें उपहार व आर्थिक सहायता देकर खास अंदाज में आभार जताया।

मुंबई इंडियंस के कप्तान ने विश्व कप से पहले वानखेड़े में देर रात तक जमकर अभ्यास किया था। कई बार उनकी ट्रेनिंग सामान्य समय से काफी आगे तक चली, लेकिन इस दौरान ग्राउंड्समैन ने उन्हें हर तरह की सुविधा और सहयोग दिया। हार्दिक ने उस वक्त उनका आभार जताते हुए वादा किया था कि वह इसे जरूर लौटाएंगे। उन्होंने अपना वादा निभाया और ग्राउंड स्टाफ को सम्मानित करते हुए उन्हें उपहार और आर्थिक प्रोत्साहन देकर धन्यवाद दिया।

हार्दिक और ग्राउंड स्टाफ की मेहनत आखिरकार रंग लाई। भारत ने अहमदाबाद में खेले गए फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर विश्व कप का खिताब अपने नाम किया था। पूरे टूर्नामेंट में हार्दिक ने बल्ले और गेंद दोनों से अहम भूमिका निभाई थी। इस खिताबी जीत के साथ ही हार्दिक लगातार 2 बार टी-20 विश्व कप जीतने वाले खिलाड़ी बन गए, इससे पहले वह 2024 में भी विजेता टीम का हिस्सा रह चुके थे।

वैभव सूर्यवंशी अब बन सकते हैं भारतीय टीम का हिस्सा, जानिए क्या हैं नियम

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारतीय क्रिकेट के युवा सितारे वैभव सूर्यवंशी 15 साल के हो गए हैं। सिर्फ 14 साल की उम्र में ही इस खिलाड़ी ने कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए। अब ये खिलाड़ी सीनियर भारतीय टीम का हिस्सा बनाने के योग्य है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के नियम के तहत किसी भी खिलाड़ी को सीनियर टीम में खेलने के लिए कम से कम 15 साल की उम्र होनी चाहिए। अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड वैभव को चुन सकती है।

अंडर-19 विश्व कप में वैभव का प्रदर्शन शानदार रहा था। उन्होंने 7 मैचों में 62.71 की औसत से 439 रन बनाए थे। उनकी स्ट्राइक रेट 169.49 की रही थी। उनके बल्ले से 1 शतक के अलावा 3 अर्धशतक भी निकले थे। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 175 रन रहा था जो फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ आया। उन्होंने 30 छक्के लगाए। वह अंडर-19 विश्व कप में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाज भी बने थे। उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया।

वैभव गेंदों के लिहाज से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय बन हैं। उन्होंने आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए युसूफ पठान का पिछला रिकॉर्ड तोड़ा था। युसूफ ने 37 गेंदों में (आरआर बनाम एमआई, 2010) शतक जड़ा था। वैभव ने 35 गेंदों में शतक जड़ा था। उनसे आगे सिर्फ क्रिस गेल है। उन्होंने आईपीएल 2013 के दौरान (बनाम पुणे वारियर्स) के खिलाफ सिर्फ 30 गेंदों में शतक लगाया था।

विदेश समाचार

मिस ग्रैंड थाईलैंड के मंच पर मॉडल के साथ हुआ 'OOPS MOMENT', लेकिन फिर जो किया VIDEO देख आप भी करेंगे सलाम

थाईलैंड(ए.)। सोशल मीडिया की दुनिया में अक्सर कई एक्टर्स और एक्ट्रेसेस के 'ऊप्स मोमेंट' (Oops Moment) के वीडियो वायरल होते रहते हैं। आमतौर पर ऐसे पलों का शिकार होने के बाद सेलेब्स घबरा जाते हैं और इंटरनेट पर लोग जमकर उनके मजे लेते हैं। लेकिन इन दिनों थाईलैंड की एक मशहूर मॉडल का ऐसा वीडियो तहलका मचा रहा है, जिसमें लाइव शो के दौरान उनके साथ कुछ बेहद अनएक्सपेक्टेड घटना घटी। हालांकि, इस मॉडल ने सरेआम शर्मिंदगी का शिकार होने के बजाय जिस गजब के आत्मविश्वास के साथ पूरी सिचुएशन को हैंडल किया, उसने इंटरनेट पर पूरी दुनिया का दिल जीत लिया है।

स्टेज पर अचानक निकल गए मॉडल के 'नकली दांत'

यह पूरा वाकया हाल ही में आयोजित हुए प्रतिष्ठित 'मिस ग्रैंड थाईलैंड 2026' ब्यूटी पेजेंट का है। इस ग्रैंड इवेंट में कई खूबसूरत मॉडल्स ने हिस्सा लिया था। इसी दौरान स्टेज पर कमोलवन चानागो नाम की एक कंटेस्टेंट पूरे आत्मविश्वास के साथ अपना इंट्रोडक्शन दे रही थीं। तभी बोलते समय अचानक उनके 'नकली दांत' (डेंटल फिक्स्चर) मुंह से बाहर की तरफ गिर पड़े। यह एक ऐसा नाजुक पल था जब कोई भी मॉडल शर्मिंदगी से घबरा जाती या स्टेज छोड़कर भाग जाती, लेकिन कमोलवन ने जो किया उसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी।

नेपाल के नए प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह का भारत को संदेश, बोले- साथ मिलकर काम करने को उत्सुक

-पीएम मोदी को दिया धन्यवाद

काठमांडू,(ए.)। नेपाल के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने पदभार संभालने के तुरंत बाद भारत के साथ संबंधों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि वह दोनों देशों के बीच सहयोग को नई दिशा देने के लिए उत्सुक हैं।

35 वर्षीय बालेंद्र शाह, जिन्हें 'बालेन' के नाम से भी जाना जाता है, ने शुक्रवार को नेपाल के सबसे युवा प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेकर नया इतिहास रचा। रैपर, इंजीनियर और फिर नेता के रूप में उभरे शाह को नेपाल की राजनीति में पीढ़ीगत बदलाव का प्रतीक माना जा रहा है।प्रधानमंत्री मोदी ने शाह को बधाई देते हुए कहा था कि उनका नेतृत्व नेपाल की जनता के विश्वास का प्रतीक है और दोनों देश मिलकर आपसी सहयोग को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं। इसके जवाब में शाह ने कहा, आपके स्नेहपूर्ण शब्दों और शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। मैं हमारे दोनों देशों के बहुआयामी संबंधों को आगे बढ़ाने और साझा समृद्धि के लिए मिलकर काम करने को उत्सुक हूं।हालांकि, शाह का राजनीतिक सफर विवादों से भी अछूता नहीं रहा है। वर्ष 2023 में काठमांडू के मेयर रहते हुए उन्होंने फिल्म आदिपुरुष को लेकर विवादित निर्णय लिया था, जिसमें कुछ संवादों के विरोध में बॉलीवुड फिल्मों के प्रदर्शन पर रोक लगाने का आदेश दिया गया था। बाद में पाटन हाईकोर्ट ने इस आदेश को रद्द कर दिया था।

मध्य पूर्व संकट के बीच ऑस्ट्रेलिया का बड़ा कदम, एंथोनी अल्बानीज सरकार देगी ईंधन खरीद की गारंटी

सिडनी,(ए.)। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष से ऑस्ट्रेलिया भी प्रभावित हुआ है। तेल संकट जैसी परिस्थितियों से निपटने के लिए प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीज के नेतृत्व में ऑस्ट्रेलियाई सरकार कदम उठा रही है। इसी क्रम में सरकार ने मध्य पूर्व में जारी संघर्ष से प्रभावित आवश्यक वस्तुओं की खरीद को सुरक्षित करने के लिए नए ईंधन सुरक्षा उपायों की घोषणा की है। प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीज और ऊर्जा मंत्री क्रिस बोवेन ने सिडनी में पत्रकारों को बताया कि सरकार सोमवार को संघीय संसद में एक विधेयक पेश करेगी। यह विधेयक मौजूदा निर्यात क्रेडिट एजेंसी को निजी क्षेत्र की ओर से ईंधन, उर्वरक और अन्य जरूरी चीजों की खरीद की गारंटी देने की अनुमति देगा।

अल्बानीज ने कहा, सीधे शब्दों में कहें तो, हम 'एक्सपोर्ट फाइनेंस ऑस्ट्रेलिया' का इस्तेमाल करके जहाजों में भरकर आने वाले ईंधन की खरीद की गारंटी देंगे। इससे ऑस्ट्रेलिया में ईंधन की आपूर्ति बढ़ेगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार की ओर से मिलने वाला यह समर्थन कोई सामान्य कारोबारी प्रक्रिया नहीं होगी। इसके तहत सिर्फ वही अतिरिक्त आपूर्ति शामिल होगी, जो अंतरराष्ट्रीय बाजार में उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि इन नए उपायों से उन आयातकों का वित्तीय जोखिम कम होगा जो अतिरिक्त आपूर्ति सुनिश्चित करते हैं। समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' की रिपोर्ट के अनुसार, ये उपाय ऐसे समय में किए जा रहे हैं, जब पूरे ऑस्ट्रेलिया में ईंधन की कीमतें आसमान छू रही हैं और क्षेत्रीय इलाकों में इसकी भारी किल्लत हो रही है।

बोवेन ने बताया कि शनिवार तक ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रीय भंडार में 39 दिनों का पेट्रोल, 30 दिनों का डीजल और 30 दिनों का जेट ईंधन मौजूद था। इससे पहले, प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने शुक्रवार को कहा कि अल्पावधि में ऑस्ट्रेलिया की ईंधन आपूर्ति की स्थिति अच्छी नजर आ रही है, लेकिन आने वाले महीनों में हालात और भी मुश्किल हो सकते हैं।

देश के सामने गहराते ईंधन संकट को लेकर कैनबरा स्थित संसद भवन में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए अल्बानीज ने कहा कि सरकार 'दिन-रात काम कर रही है', ताकि एक मजबूत योजना तैयार की जा सके और भविष्य में आने वाली किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयार व तत्पर रहा जा सके।

ईरान के बुशहर न्यूक्लियर पावर प्लांट पर तीसरी बार हुआ हमला, आईएईए की चेतावनी- बहुत बुरा होगा अंजाम

तेहरान ,(ए.) ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन ने बताया कि बुशहर न्यूक्लियर पावर प्लांट पर शुक्रवार देर रात एक बार फिर से प्रोजेक्टाइल से हमला हुआ। 28 फरवरी से ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच शुरू हुए संघर्ष के बीच प्लांट पर ये तीसरा ऐसा हमला है। इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी (आईएईए) ने चेतवानी दी है कि अभी हमलों में नुकसान नहीं हुआ, लेकिन अगर बार-बार न्यूक्लियर ठिकाने पर हमले होते रहे, तो इसका अंजाम बहुत बुरा हो सकता है। हालांकि, ताजा हमले में किसी के हताहत होने, सामान के नुकसान या तकनीकी रुकावट की कोई खबर नहीं है। वहीं ईरानी संगठन ने इसके लिए अमेरिका और इजरायल को जिम्मेदार ठहराया गया है।इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी (आईएईए) ने कहा कि ईरान ने उसे हमले के बारे में बताया था। आईएईए के डायरेक्टर जनरल राफेल ग्रॉसी ने फिर से गहरी चिंता जताई और न्यूक्लियर एक्सीडेंट के खतरे से बचने के लिए ज्यादा से ज्यादा सैन्य नियंत्रण की अपील की।

आईएईए हालात पर करीब से नजर रख रहा है, ईरानी अधिकारियों के साथ सहयोग करके सेफ्टी उपायों को वेरिफाई कर रहा है और यह सुनिश्चित कर रहा है कि सभी न्यूक्लियर मटीरियल सुरक्षित रहें। ये नए हमले सैन्य तनाव से प्रभावित इलाकों में न्यूक्लियर और इंडस्ट्रियल फैसिलिटी के लिए बढ़ते खतरों को दिखाते हैं। हालांकि खोंडाब हेवी वॉटर प्लांट और खुजेस्तान स्टील फैक्ट्री दोनों सुरक्षित हैं, लेकिन एक्सपर्ट्स ने चेतावनी दी है कि अगर रेडियोएक्टिव मटीरियल वाली फैसिलिटी को बार-बार टारगेट किया गया तो इसके गंभीर नतीजे हो सकते हैं।

वेनेजुएला और ईरान के बाद तैयार है ट्रंप का अगला टारगेट, बोले- इस देश को आजाद कराऊंगा या कब्जा करूंगा

वॉशिंगटन (ए.)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वैश्विक राजनीति में एक नया मोर्चा खोलने के संकेत दिए हैं। मियामी में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि ईरान और वेनेजुएला के बाद अब क्यूबा की बारी हो सकती है। हालांकि ट्रंप ने यह स्पष्ट नहीं किया कि अमेरिका क्यूबा के खिलाफ किस तरह की कार्रवाई कर सकता है, लेकिन उन्होंने यह जरूर कहा कि मजबूत सेना का इस्तेमाल कभी-कभी करना पड़ता है। वेनेजुएला में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के सत्ता से हटने के बाद क्यूबा पहले से ही गहरे आर्थिक और ऊर्जा संकट का सामना कर रहा है। ट्रंप के हालिया बयानों ने वहां की सरकार की चिंताएं और बढ़ा दी हैं। अपनी सैन्य ताकत का जिक्र करते हुए ट्रंप ने कहा, मैंने एक विशाल सेना बनाई है। मैंने कहा था कि आपको इसका उपयोग कभी नहीं करना पड़ेगा, लेकिन कभी-कभी करना पड़ता है। वैसे, क्यूबा अगला है।

ट्रंप ने क्यूबा की स्थिति को फ्रेंडली

टेकओवर (मैत्रीपूर्ण अधिग्रहण) की संभावना के रूप में भी पेश किया, हालांकि उन्होंने यह भी संकेत दिया कि हालात इसके विपरीत दिशा में भी जा सकते हैं। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि अमेरिका के पास द्वीप के साथ कुछ भी करने की क्षमता है और वे इसे आजाद करने या कब्जा करने का अवसर प्राप्त करना चाहते हैं।

हाल के घटनाक्रमों में, वेनेजुएला में अमेरिकी समर्थित कार्रवाई के बाद मादुरो के सत्ता से हटने से क्यूबा को मिलने वाली तेल आपूर्ति पर बड़ा असर पड़ा है। वेनेजुएला लंबे समय से क्यूबा का प्रमुख ईंधन आपूर्तिकर्ता रहा है। आपूर्ति रुकने से क्यूबा में बिजली संकट और आवश्यक वस्तुओं की कमी गहरा गई है, जिससे वहां की स्थिति और गंभीर हो गई है।

कड़े बयानों के बावजूद, राजनयिक विकल्प अभी भी खुले हुए हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी अधिकारियों और क्यूबा नेतृत्व के बीच बातचीत जारी है। अमेरिका का प्रमुख उद्देश्य क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज़-कानेल को पद से हटाना बताया जा रहा है। डियाज़-कानेल ने भी वॉशिंगटन के साथ बातचीत की पुष्टि की है, क्योंकि हवाना फिलहाल किसी भी सीधे सैन्य टकराव से बचने की कोशिश कर रहा है।

हिजबुल्लाह ने लितानी नदी की ओर बढ़ रहे इजराइली सैनिकों पर किए कई हमले

इजराइल ने चेतावनी दी थी वे लेबनान की लितानी नदी तक कब्जा करेगा

तेहरान,(ए.)। हिजबुल्लाह संगठन ने दावा किया है कि उसने सीमा पार कर लेबनानी क्षेत्र में आगे बढ़ रहे इजराइली सैनिकों पर कई हमले किए। समूह के मुताबिक मरजायौन जिले के अल-कंतारा इलाके में तलाब के पास दो इजराइली टैंकों को निशाना बनाया गया। हिजबुल्लाह ने यह भी कहा कि तैयबेह इलाके के पास लितानी नदी की ओर बढ़ रहे इजराइली सैनिकों

पर रॉकेट, तोप और ड्रोन से हमले किए गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक इजराइल ने पहले ही चेतावनी दी है कि वे लेबनान के अंदर लितानी नदी तक कब्जा कर सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इजराइल की सेना ने बताया है कि यमन से एक मिसाइल दागी गई है, जिसे उनकी रक्षा प्रणाली ने ट्रैक किया। सेना के मुताबिक इस मिसाइल को रोकने के लिए एयर डिफेंस सिस्टम सक्रिय कर दिया है और लोगों को खतरे को लेकर अलर्ट किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह पहली बार है जब मौजूदा युद्ध में यमन से इजराइल की ओर मिसाइल दागे जाने की पुष्टि हुई है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा वृहद मेगा शिविर आयोजित, 750 से अधिक नागरिकों को किया गया शासन की योजनाओं से लाभान्वित

ब्लड डोनेशन कैंप में एकत्रित किया गया 15 यूनिट रक्त, प्रधान जिला न्यायाधीश ने किया रक्तदान

सीहोर (निप्र) । जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा सीहोर के राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान में मेगा लीगल आउटरीच एवं जागरूकता शिविर संवेदना आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष संजीव कुमार अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर कार्यक्रम में कलेक्टर बालागुरू के. और एसपी दीपक कुमार शुक्ला सहित न्यायाधीशगण शामिल हुए। इस मेगा शिविर की मुख्य थीम मानसिक स्वास्थ्य एवं दिव्यांगजनों के अधिकार रखी गई, जिसमें जिले सभी विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए और 750 से अधिक नागरिकों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया। इस अवसर पर दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण भी प्रदान किए गए। प्रधान जिला न्यायाधीश ने विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण किया और विभिन्न योजनाओं हितग्राहियों को प्रमाण-पत्र, ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर, हियरिंग एड, टीएलएम किट, ब्रेल किट आदि प्रदान किए। मेगा शिविर में आयोजित ब्लड डोनेशन कैंप में 15 यूनिट ब्लड एकत्रित किया गया, जिसमें प्रधान जिला न्यायाधीश श्री अग्रवाल एवं न्यायाधीश श्री दीपेन्द्र मालू ने भी रक्तदान किया। इस दौरान टीबी स्क्रीनिंग एवं एक्स-रे के माध्यम से 51 लोगो का बी.पी. शुगर चेक किया गया और 350 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश ने दिव्यांगजनों के अधिकार, विधिक प्रावधान, विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 में विधिक सेवा संस्थाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही उन्होंने यह संदेश दिया कि हम सभी संवेदनशील बने एवं दिव्यांगजनों के साथ हर जरूरतमंद की सहायता के लिए तत्पर रहें। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन सभी विभागों को एक मंच पर लाकर आमजन को लाभान्वित करने का एक सशक्त माध्यम हैं। प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय श्री वैभव मंडलोई द्वारा दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम एवं मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

राजस्व मंत्री ने इछावर सिविल अस्पताल में नवीन मंडपम का किया लोकार्पण

सीहोर(निप्र)। राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने इछावर सिविल अस्पताल में नवनिर्मित पंडित लक्ष्मीनारायण शर्मा मंडपम का लोकार्पण किया। यह मंडपम डॉ वीवी शर्मा द्वारा अपने पिता लक्ष्मीनारायण शर्मा की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में मरीजों के परिजनों के बैठने एवं आराम के लिए बनवाया गया है, जिससे अस्पताल में आने वाले मरीजों को सुविधा होगी।इस अवसर पर राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने कहा कि सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और मरीजों के साथ आने वाले परिजनों की सुविधा का ध्यान रखना भी उतना ही आवश्यक है जितना कि मरीजों के उपचार की व्यवस्था करना।

बिजली की चिंगारी से लगी आग, चार एकड़ गेहूं की फसल हुई राख

सीहोर (निप्र)। शहर के शीतल विहार कालोनी के पीछे खेतों की ऊपर से निकली बिजली के तार में अचानक हुए शॉर्ट-सर्किट और निकली चिंगारी से चार एकड़ गेहूं की फसल जलकर बर्बाद हो गई। आग की लपटें देख आस-पास के किसानों ने आग को बुझाना शुरू किया और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। जब तक किसान आग बुझाते, तब तक खेत से काटकर खलियान में रखा जलकर राख हो गया, फायर ब्रिगेड पहुंची और आग बुझाने में मदद की। घटना में किसान को हजारों का नुकसान हुआ है।इस संबंध में किसान ताराचंद्र यादव ने बताया कि शहर के शीतल विहार कालोनी के पीछे हमारे साथी किसान संतोष यादव की हजारों रुपए की गेंहू की फसल शॉर्ट-सर्किट के कारण जलकर खाक हो गई है। इसके अलावा पास में बनी टपरी में रखा सामान भी आग की चपेट में आ गया है।

ग्राम डोडी में मां गायत्री की प्राण प्रतिष्ठा के साथ हुआ सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन

40 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में

कालापीपल (निप्र)। संस्था, संगठन, अथवा धर्म की सार्थकता तब ही सिद्ध होती है। जब वह मानव समाज के हितों की रक्षा करते हुए। मानव समाज के उत्थान का कार्य करती है। और समाज का उत्थान अथवा विकास व्यक्ति के विकास से ही संभव है। और ऐसे ही व्यक्ति निर्माण से समाज निर्माण एवं समाज निर्माण से राष्ट्र निर्माण का अदभुत कार्य गायत्री परिवार हरिद्वार द्वारा संपूर्ण देश में किया जा रहा है। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु गायत्री परिवार प्रज्ञापीठ

डोडी द्वारा विगत 27 वर्षों से निरंतर रामनवमी के शुभ अवसर पर गायत्री प्रज्ञा पीठ डोडी में श्री गायत्री महायज्ञ एवं गहलोत मेवाड़ा राजपूत समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी गायत्री विद्यापीठ डोडी में नव निर्मित गायत्री मंदिर में श्री अंबाराम जी राजगुरु जी के सानिध्य में मां गायत्री देवी की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव बड़ी धूमधाम से संपन्न हुआ इस अवसर पर गहलोत मेवाड़ा राजपूत समाज के 40 वर वधु गायत्री मंत्र के उच्चारण के साथ परिणय सूत्र में बंधे। मां गायत्री प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में गायत्री शक्तिपीठ हरिद्वार से आए हुए गुरुजनों ने उपस्थित जनसमूह एवं वर वधु को अपने मुखारविंद से आशीष बच्चन दिए।

वृद्धजनों के लिए उपयोगी सिद्ध होंगे वसुंधरा द्वारा दिए गए व्हील

सीहोर (निप्र) । निशक्तजनों का सम्मान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिव्यांग शब्द देकर बढ़ा दिया है। दिव्यांग जनों की सेवा के लिए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव निरंतर प्रयास कर रहे हैं। निशक्त दिव्यांगजन के सशक्तिकरण मैं वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है उक्त बात शनिवार को प्रधानमंत्री एक्सीलेंस कॉलेज सभागार में भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम के सहयोग से वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन के द्वारा आयोजित वृद्ध विकलांगजनों को उपयोगी सहायक नि:शुल्क उपकरण वितरण कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे विधायक सुदेश राय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। कार्यक्रम में श्रीमती अरुणा राय भी दिव्यांगजनों की सेवा करते हुए दिखाई दी। सांस्कृतिक गतिविधियों के तहत विशेष बच्चों द्वारा आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किया गया, जिसने उपस्थित जनसमूह का मनमोह लिया। वसुंधरा स्पेशल स्कूल के विद्यार्थी सक्षम ने विधायक राय को अपने हाथों से बनाया गया चित्र भेंट कर सभी का ध्यान आकर्षित किया।

विधायक राय ने कहा कि भगवान मनुष्य शरीर अच्छा सुंदर निर्माण करते हैं लेकिन कई बार ईश्वर से त्रुटि हो जाती है और शरीर में कुछ कमी रह जाती है इस शारीरिक कमी को पूरा करने का कार्य प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री विभिन्न विभागों और माध्यमों से कर रहे हैं। अनेक योजनाओं के माध्यम से जरूरतमंदजनों की सहायता की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे सेवा कार्यो में वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और समाज को नई दिशा दे रही है। वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन के माध्यम से इस सेवा कार्य में सहभागी बनने का हमें भी शुभ अवसर प्राप्त हो रहा है। कार्यक्रम के दौरान विधायक सुदेश राय और श्रीमती अरुणा राय भाजपा मंडल अध्यक्ष सुदीप प्रजापति ने सौ से अधिक वृद्ध और दिव्यांग जनों को उनकी आवश्यकता अनुसार व्हीलचेयर, वॉकर, श्रवण यंत्र, छड़ी, बैसाखी सौ से अधिक उपयोगी उपकरण प्रदान किए।

माँ सीवन के उद्धार के लिए आज दिलाई जायेगी शपथ

सीहोर (निप्र) । कल शपथ 1008 संत श्री हरिराम दास जी महाराज (मठ मंदिर),कथावाचक पंडित श्री रविशंकर तिवारी एवं कथा वाचक अरविंद व्यास की विशेष उपस्थिति में दिलाई जाना हैं। शपथ स्थान माँ सीवन तट, श्री हनुमान फाटक धाम कस्बा, सिद्धपुर,सीहोर,शाम 4 बजे रहेगा । ज्ञातव्य है कि सीहोर की जीवनदायनी माँ सीवन की रक्षा और उसे की सेवा करने हेतु मैं पुत्र सिवान का अभियान के तहत जीवन पुत्र बनाए जा रहे हैं जो की कल श्री हनुमान फाटक धाम कस्बा सीहोर स्थित सीवन तट पर लेंगे शपथ माँ सिवान की सेवा मां शिवम के पूर्ण उधर मां सिवान की रक्षा मां शिवम की स्वच्छता व सुंदरता के लिए।माँ सीवन उद्धार के लिए संघर्षरत समाज सुधारक प्रदीप चावड़ा ने बताया कि शपथ का मूल उद्देश्य सीवन को मूल स्वरूप में लाना है जिसके लिए विगत कई सालों से संघर्षरत है यह शपथ माँ जीवन दायिनी जीवन और पुत्र के बीच रिश्ते को मजबूत करेगी।

सड़क सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवा, एक संवेदनशील एवं प्रेरणादायी पहल

सीहोर (निप्र) ।एक ओर देवास भोपाल कॉरिडोर प्राइवेट लिमिटेड (Vertis) का सीएसआर प्रशासन ग्रामीण युवतियों को पीपल ट्री फाउंडेशन के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा में नि:शुल्क प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ स्वास्थ्य सुरक्षा को सशक्त कर रहा है।

वहीं दूसरी ओर, सत्य साई मेडिकल कॉलेज के डीन पी. डी मंहत के मार्गदर्शन में तथा ट्रांसपोर्ट अधिकारी कैप्टन धर्मेन्द्र कुमार एवं मेडिकल सुप्रीटेंडेंट आर के गौतम के सहयोग से बस चालकों, ट्रैक्टर ड्राइवरों, बाइक चलाने वाले युवाओं और साइकिलिस्टों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जा रहा है। उन्हें जीवन के महत्व को समझाते हुए सुरक्षित ड्राइविंग, आवश्यक सावधानियों और दुर्घटना रोकथाम के महत्वपूर्ण बिंदुओं से अवगत कराया जा रहा है। यह पहल केवल जागरूकता नहीं, बल्कि एक ऐसी सोच है जो जीरो एक्सीडेंट और सुरक्षा संस्कृति को समाज में स्थापित करने की दिशा में अग्रसर है। साथ ही, यह लोगों में जिम्मेदार ड्राइविंग की आदत विकसित कर एक सुरक्षित भविष्य की नींव रख रही है। निस्संदेह, यह प्रयास एक जागरूक, सुरक्षित और स्वस्थ समाज की ओर बढ़ता हुआ सशक्त कदम है। इस मौके पर डी बी सी पी एल कॉरिडोर मैनेजर राजीव मिश्रा,सुरक्षा अधिकारी अमित सिंह, सी एस आर टीम एवं कई सम्माननीय उपस्थित थे।

मरीह माता मंदिर में संस्कार मंच ने किया गरबा करने वाली कन्याओं का सम्मान, सुहागन महिलाओं को सुहाग की सामग्री का वितरण

सीहोर(निप्र) । शहर के विश्रामघाट स्थित चौसट योगिनी मरीह माता मंदिर में चैत्र नवरात्रि का पर्व आस्था और उत्साह के साथ मनाया गया। इस मौके पर दसवी के पावन अवसर पर यहां पर भजन-कीर्तन के साथ गरबा करने वाली करीब दो दर्जन से अधिक कन्याओं का संस्कार मंच द्वारा सम्मान किया गया। इस मौके पर मंदिर के व्यवस्थापक रोहित मेवाड़ा और मंच के संयोजक जितेन्द्र तिवारी आदि शामिल थे।मंदिर परिसर में साल भर में आने वाली चार नवरात्रि के पावन अवसर पर माता की साधना और पूजा अर्चना की जाती है। यहां पर हर नवरात्रि पर माता का विशेष श्रृंगार किया जाता है। इसके अलावा चैत्र और शरदीय नवरात्रि के मौके पर कन्याओं के द्वारा गरबा की प्रस्तुति दी जाती है। मंच और मंदिर के द्वारा नवमी और दसवी पर सुहागन महिलाओं को सुहाग की सामग्री का वितरण किया गया और वहीं गरबा करने वाली दो दर्जन कन्याओं को चुनरी उड़ाकर सम्मान किया गया। संस्कार मंच की ओर से मनोज दीक्षित मामा ने बताया कि देवी पुराण और अन्य प्राचीन ग्रंथों के अनुसार, गरबा केवल एक नृत्य नहीं, बल्कि देवी शक्ति की आराधना और भक्ति का एक शक्तिशाली माध्यम है। नवरात्रि के दौरान किया जाने वाला यह नृत्य आत्म-साक्षात्कार, सृजन और ब्रह्मांडीय ऊर्जा से जुड़ने का प्रतीक है। सबसे पहले माता के लिए सजाएं गएं उनके पंडालों में आरती-अर्चना के साथ आदिशक्ति मां अंबे और दुर्गा की स्तुति की जाती है। फिर गीतों के माध्यम से मां का आह्वान किया जाता है कि मां हमारे गरबों में पधारों और इस नृत्य साधना के जरिए हमारी पूजा स्वीकार करों। इसके बाद तो पैर ऐसे थिरकते है जैसे मानों मां साक्षात नृत्य की प्रस्तुति दे रही हों। पारंपरिक और रंग-बिरंगे कपड़ों में सजे-धजे बच्चे, युवा, बड़े और बुजुर्ग एक अलग ही अंदाज को प्रस्तुत करते है। घट स्थापना के बाद इस नृत्य का आरंभ होता है। जिसके लिए बड़े-बड़े पंडालों को आकर्षक ढंग से सजाया जाता है। गरबा नृत्य में ताली, चुटकी, खंजरी, डंडा मंजीरा आदि का ताल देने के लिए प्रयोग किया जाता है। कहते है लयबद्ध ताल से देवी दुर्गा को प्रसन्न करने की कोशिश की जाती है।

श्री सत्य साईं प्रौद्योगिकी-मेगा लीगल आउटरीच एवं अवेयरनेस कैंप

कुलगुरु डॉ. मुकेश तिवारी के मार्गदर्शन से विद्यार्थी हुए शामिल

सीहोर (निप्र)। श्री सत्य साईं प्रौद्योगिकी एवं चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, सीहोर के स्कूल ऑफ लॉ विधि संकाय के विद्यार्थियों ने मेगा लीगल आउटरीच एवं अवेयरनेस कैंप में उत्साह, समर्पण और सक्रियता के साथ भाग लेते हुए समाज में विधिक जागरूकता फैलाने का सराहनीय कार्य किया। यह कार्यक्रम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सीहोर के तत्वावधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. मुकेश तिवारी के मार्गदर्शन से छात्रों को इस महत्वपूर्ण आयोजन में भाग लेने का अवसर प्राप्त हुआ। वहीं, स्कूल ऑफ लॉ की डीन डॉ. अमृता सोनी द्वारा विद्यार्थियों को इस प्रकार के सामाजिक एवं विधिक कार्यक्रमों में सहभागिता हेतु विशेष रूप से प्रेरित किया गया, जिससे विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना और अधिक मजबूत हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता संजीव कुमार प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा की गई। इस अवसर पर हेमंत जोशी स्पेशल जज, बालगुरु के. कलेक्टर, सीहोर, पुलिस अधीक्षक सहित अनेक प्रशासनिक एवं न्यायिक अधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव स्वपनश्री, जीशान खान जिला विधिक सहायता अधिकारी सीहोर एवं राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थान के निदेशक डॉ. अखलेश शुक्ला की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को और अधिक प्रभावशाली बनाया।

अखंड ज्योति पार्वती धाम पर्वत पर हुआ विशाल भंडारा

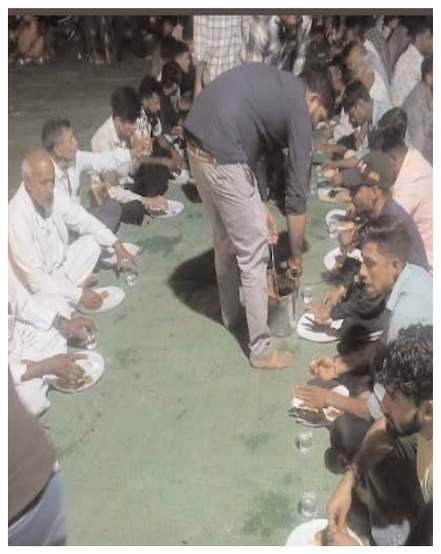

सीहोर (ए.)। रफीकगंज ढेकिया स्थित अखंड ज्योति पार्वती धाम शनि मंदिर पर्वत पर रामनवमी के शुभ अवसर पर शुक्रवार की रात माता जगदंबा के दरबार में एक प्रयास एनजीओ अध्यक्ष सन्नी राजपाल और संचालक रजत मुंद्रडा के मार्गदर्शन में आयोजन समिति द्वारा माता रानी जगदंबा के दरबार में विशाल भंडारा महाप्रसादी का आयोजन किया गया। सैकड़ो गांव के नागरिकों महिला पुरुषों बच्चों ने माता रानी के दरबार में पहुंचकर महा प्रसादी ग्रहण की। श्रद्धालुओं ने माता रानी जगदंबा की आरती में हिस्सा लिया। एक प्रयास एनजीओ संस्था अध्यक्ष सन्नी राजपाल ने बताया कि पार्वती अखंड ज्योति धाम को विकसित किया जा रहा है । माता जगदंबा यहां श्रद्धालुओ की समस्त मनोकामनाएं पूर्ण कर रही है कुछ दिन पर्वत पर विशाल हनुमान जी महाराज की पंचमुखी प्रतिमा के दर्शन भी श्रद्धालुओं होंगे।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग सीहोर

पुराना कलेक्ट्रेट परिसर सीहोर (म0प्र0)

Ph.No. 07562-226552 eeressehore@mp.gov.in

क्रं.....748...../निविदा/ग्रा0यां0से0/2026 सीहोर दिनांक 24/03/2026

// विज्ञप्ति//

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 16/2025-26

निम्नलिखित कार्यो हेतु ऑन लाईन प्रतिशत दर पर निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट - https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है-

क्रं.	सिस्टम टेण्डर क्रं.	कार्य का नाम	कार्य की अनु. लागत (रू.लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	निविदा आमंत्रण का क्रम
1	2	3	4	5	6	7
1.	2026_RES_494692_1	जनजातीय सीनियर उत्कृष्ट बालक छात्रावास बुदनी में 190 मीटर बाउण्ड्रीवाल निर्माण कार्य विकास खण्ड बुदनी	17.98	36000/-	2000/-	द्वितीय
2.	2026_RES_494693_1	चर्च ग्राउण्ड सीहोर में पेवर ब्लॉक वॉकिंग ट्रेक का निर्माण कार्य विकासखण्ड सीहोर	12.35	24800/-	2000/-	द्वितीय
3.	2026_RES_494695_1	शासकीय रेशम केन्द्र थूना में 02 नवीन कुंआ निर्माण कार्य विकास खण्ड सीहोर	5.10	10200/-	2000/-	प्रथम
		योग -	35.43			

उपरोक्त निविदाओं के निविदा प्रपत्र वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर ऑनलाईन भुगतान कर क्रय किये जा सकेंगे। ऑनलाईन निविदा प्रपत्र क्रय एवं निविदा प्रपत्र प्रस्तुत करने की तिथि 30.03.2026 समय 10.30 बजे से दिनांक 13.04.2026 समय 5.30 बजे तक है। यह संक्षिप्त निविदा है निविदा की विस्तृत जानकारी/शर्ते ऑनलाईन अथवा इस कार्यालय में देखी जा सकती है। संशोधन संबंधी सूचनाऐं केवल बेवसाइट पर दी जावेगी पृथक से प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

जी/27919/25

कार्यपालन यंत्री
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग
सीहोर (म0प्र0)

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें,अपनी व दूसरों की जान बचायें

बेची जमीन फिर बिकी! किसान की पुकार अनसुनी, न्याय के लिए दर-दर भटकता रहा परिवार

सीहोर (निप्र) । जिले के नजदीकी ग्राम सेवनिया में जमीन धोखाधड़ी का एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसने प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यहां एक ही कृषि भूमि को दो बार बेचने का आरोप है, जिससे एक किसान का परिवार आज न्याय के लिए दर-दर भटकने को मजबूर है। पीड़ित पप्पू कौशल का दावा है कि उन्होंने वर्ष 2012 में गांव के ही हनुमंत सिंह से करीब 11 लाख 75 हजार रुपये में जमीन खरीदी थी और तब से लगातार उस पर खेती कर रहे हैं। इसका उसके पास अनुबंध भी है। पीड़ित के अनुसार, विक्रय अनुबंध पत्र में स्पष्ट रूप से उल्लेख था कि पूरी राशि मिलने के बाद विक्रेता रजिस्ट्री कराने के लिए बाध्य रहेगा। लेकिन सालों बीतने के बावजूद हनुमंत सिंह हर बार टालमटोल करते रहे। लगभग 14 वर्षों तक किसान भरोसे में जीता रहा, लेकिन अब वही भरोसा उसके लिए मुसीबत बन गया है।

पुलिस-प्रशासन की मौजूदगी में कब्जे की कोशिश

घटना ने 16 मार्च 2026 को गंभीर मोड़ ले लिया, जब पटवारी नंदा तगारे और मंडी थाना टीआई सुनील मेहर पुलिस बल के साथ खेत पर पहुंचे। आरोप है कि बिना किसी वैध आदेश के खेत में जबरन सीमेंट के खंभे गड़वाए गए और तारबंदी शुरू कर दी गई। जब परिवार ने विरोध किया, तो उनके साथ गाली-गलौज और धमकी दी गई।

मोबाइल छीना, वीडियो डिलीट, मारपीट का आरोप

पीड़ित के अनुसार, इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो बना रहे बटाईदार हरिओम का मोबाइल पुलिस ने छीन लिया और वीडियो डिलीट कर दिया। इतना ही नहीं, हरिओम और उसके पिता दिलीप को पकड़कर थाने ले जाया गया, जहां कथित तौर पर मारपीट की गई और घंटों बैठाकर रखा गया। शाम को उन्हें छोड़ा गया, लेकिन चेतावनी दी गई कि जमीन उनकी नहीं है। जिनकी जमीन है, उन्हें दिलाई जा रही है। पीड़ित पप्पू कौशल ने आरोप लगाया कि उसके बटाईदार दिलीप और हरिओम के साथ मंडी टीआई ने बिना किसी बैध दस्तावेज के उनके खेत पर कब्जा कराने का प्रयास किया गया। उसके पास रखे कागज को देखना भी उचित नहीं समझा।पीड़ित पप्पू कौशल ने पुलिस अधीक्षक, एसडीएम से शिकायत कर पूरे मामले की जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि उन्होंने पूरी रकम देकर जमीन खरीदी, वर्षों से खेती कर रहे हैं, फिर भी आज उन्हें ही बेदखल किया जा रहा है। गांव के कई लोग इस घटना के गवाह हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com